मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, मंगलवार, 26 मई 2026
संवत 2083, अधिक ज्येष्ठ शुक्ल 10 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 251, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

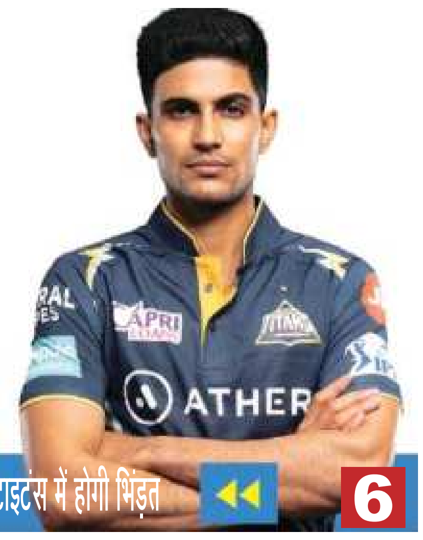

4 ▶▶ मिलावट केवल कानून का उल्लंघन ही नहीं, विश्वास व स्वास्थ्य पर भी हमला
आईपीएल2026 : आज फाइनल टिकट के लिए महामुकाबला, आरसीबी-गुजरात टाइटंस में होगी भिड़ंत ◀◀ 6

दहेज उत्पीड़न पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

सिर्फ दावों के आधार पर पूरे परिवार को कोर्ट में नहीं घसीट सकते

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न के मामलों को लेकर एक बेहद अहम फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि केवल दावों और छोटे-मोटे आरोपों के आधार पर पति के रिश्तेदारों यानी ससुराल वालों पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। इसके लिए अदालत में ठोस सबूत पेश करना अनिवार्य है। इसी के साथ जस्टिस संजय करोल और जस्टिस नोंगमेइकापम कोटिश्वर सिंह की बेंच ने ससुराल वालों के खिलाफ दर्ज दहेज उत्पीड़न और धारा 498ए के मामले को पूरी तरह रद्द कर दिया।

मध्य प्रदेश के गुना से जुड़ा है यह पूरा मामलाःयह पूरा मामला मध्य प्रदेश के गुना जिले का है, जहां एक महिला ने अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ जनवरी 2023 में क्रूरता, घरेलू हिंसा और दहेज मांगने की शिकायत दर्ज कराई थी। महिला की शादी नवंबर 2019 में हुई थी। अपनी शिकायत में उसने आरोप लगाया था कि शादी के समय भारी मात्रा में नकद, गहने और घरेलू सामान दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद ससुराल वालों ने उससे और दहेज की मांग की और उसका उत्पीड़न किया। इसके बाद महिला ने आईपीसी की धारा 498ए, धारा 34 और दहेज अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कराया था।

हाईकोर्ट ने केस रद्द करने से कर दिया था इनकारः महिला ने अपने ससुराल वालों पर मानसिक उत्पीड़न, कैमरों से निगरानी करने, आने-जाने पर रोक लगाने और यहां तक कि लाइसेंसी बंदूक से धमकाने जैसे कई गंभीर आरोप लगाए थे। मामला जब मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच पहुंचा, तो कोर्ट ने ससुराल वालों के खिलाफ चल रही एफआईआर

और कानूनी कार्यवाही को रद्द करने से इनकार कर दिया था। हाईकोर्ट का मानना था कि प्रथम द्रष्टया रिश्तेदारों के खिलाफ आरोप सही प्रतीत होते हैं, जिसके बाद ससुराल वालों ने न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

कानून का इस्तेमाल हथियार की तरह नहीं किया जा सकता: सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए ससुराल वालों को बड़ी राहत दी। अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि जब पति-पत्नी के बीच वैवाहिक संबंध बिगड़ने लगते हैं, तो अक्सर गुस्से और कड़वाहट में पूरे परिवार को लपेट लिया जाता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि केवल यह आरोप लगाना कि परिवार वालों ने पति का समर्थन किया या सामंजस्य बिठाने की सलाह दी, उन्हें मुजरिम नहीं बनाता। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालतों को भी हिदायत दी है कि ऐसे मामलों में पूरी सावधानी बरतें और बिना ठोस सबूतों के रिश्तेदारों को कोर्ट में घसीटने की अनुमति न दें, क्योंकि ऐसे मामलों में कानून का इस्तेमाल हथियार के रूप में नहीं किया जा सकता।

बेटियों की शादी बचाने की चिंता और बदनामी का डर लड़कियों को मौत के जाल में धकेल रहा : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने दहेज हत्या के एक मामले में सोमवार को आरोपी पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए समाज के सामने गंभीर सवाल खड़े किए। अदालत ने कहा कि बेटियों की शादी बचाने की चिंता और सामाजिक बदनामी का डर कई बार महिलाओं को मौत के मुंह में धकेल देता है। जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने फैसले की शुरूआत एक अहम टिप्पणी से की। अदालत ने पूछा, क्या युवा सोमा आचार्य की जान बचाई जा सकती थी? क्या सामाजिक बदनामी के डर ने उसे भेड़ियों के हवाले कर दिया?

कोर्ट ने पाया कि सोमा आचार्य ने कई बार अपने माता-पिता को ससुराल में हो रही प्रताड़ना के बारे में बताया था। इसके बावजूद परिवार और गांव के बुजुर्गों ने हर बार समझौता कराने की कोशिश की और उसे वापस ससुराल भेज दिया।

फैसले में अदालत ने कहा कि सोमा ने बार-बार मदद की गुहार लगाई थी और कुछ समय के लिए मायके में भी रही, लेकिन हर बार मामला सुलझाने और वैवाहिक संबंध बनाए रखने पर जोर दिया गया। कोर्ट ने इसे समाज के लिए आंखें खोलने वाला मामला बताया।

अदालत ने कहा कि गांव के बुजुर्ग भी इस प्रक्रिया में शामिल थे और कथित समझौतों के बाद प्रस्ताव पारित किए गए थे। न्यायालय ने टिप्पणी की कि परिवार को उम्मीद थी कि हालात सुधर जाएंगे, लेकिन अंततः सोमा की उसके ससुराल में दर्दनाक मौत हो गई।

शादी के करीब 15 महीने बाद सोमा का शव फंदे से लटका मिला था। आरोपी पति ने इसे आत्महत्या बताया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल और अन्य साक्ष्यों के आधार पर इस दलील को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि सबूत स्पष्ट रूप से दहेज उत्पीड़न से जुड़ी हत्या की ओर इशारा करते हैं। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि सोमा को मोटरसाइकिल, टीवी और अन्य सामानों की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जाता था। उसके माता-पिता ने कुछ मांगें पूरी भी की थीं। बेंच ने कहा कि मृतका के शरीर पर मिले जख्म सामान्य फांसी के मामलों से मेल नहीं खाते। अदालत के अनुसार, मेडिकल साक्ष्य बताते हैं कि मौत से पहले उसके साथ हिंसा हुई थी और यह मामला नकली फांसी का प्रतीत होता है।

समंदर में नहीं चलेगी मनमानी, होर्मुज को खुला रखने के लिए क्वाड देश एकजुट

नई दिल्ली: पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच, भारत और अमेरिका सहित क्वाड देशों ने वैश्विक व्यापार को बचाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। क्वाड ने साफ कर दिया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे दुनिया के प्रमुख समुद्री रास्तों पर व्यापारिक जहाजों की आवाजाही किसी भी कीमत पर नहीं रुकने दी जाएगी। अगर किसी ने भी इन जहाजों को रोकने की कोशिश की, तो चारों देश मिलकर उसका कड़ा विरोध करेंगे।

होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा और जहाजों का बेरोकटोक परिवहनः क्वाड देशों ने ऊर्जा बाजार को स्थिर और पारदर्शी बनाने की बात कही है। इसके लिए आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत और विविध बनाया जाएगा। समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा सबसे जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय जहाजों की आवाजाही पर कोई रोक नहीं होनी चाहिए। यह वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए आवश्यक है।

क्षेत्रीय पहल और कमजोर देशों की मदद: क्वाड की बैठक में विकासशील और छोटे द्वीपीय देशों का विशेष ध्यान रखा गया है। प्रशांत क्षेत्र के छोटे देशों की ऊर्जा जरूरतें पूरी की जाएंगी। चारों देशों ने क्षेत्रीय पहलों की सराहना की है।

जापान की पहल: एशिया की ऊर्जा स्थिरता के लिए 'पावर एशिया' कार्यक्रम।

भारत का प्रयास: दक्षिण एशिया के पड़ोसी देशों को ऊर्जा सुरक्षा में समर्थन।

ऑस्ट्रेलिया का योगदान: दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए दो अरब डॉलर का निवेश कोष। इसके साथ ही आसियान पावर ग्रिड को समर्थन और फिजी को तीन करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की वित्तीय सहायता।

क्वाड फ्यूल सिक्योरिटी फोरम का गठन: भविष्य की चुनौतियों के लिए एक नई कार्य योजना तैयार की जाएगी। इसके तहत तकनीक, प्रबंधन, नीति और बाजार विश्लेषण पर मिलकर काम होगा। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए संयुक्त अभ्यास भी किए जाएंगे। इसका एक मुख्य उद्देश्य सामरिक तेल भंडारों को मजबूत करना है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने के लिए सहयोग जारी रहेगा। इस पूरे तालमेल को बेहतर बनाने के लिए जल्द ही 'क्वाड फ्यूल सिक्योरिटी फोरम' बनाया जाएगा। यह फोरम उच्च स्तरीय चर्चा और सहयोग को आगे बढ़ाएगा। क्वाड देशों का यह साझा बयान होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर व्यापारिक जहाजों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा संकल्प है। सामरिक तेल भंडारों को मजबूत करने और 'फ्यूल सिक्योरिटी फोरम' के गठन से वैश्विक बाजार की अस्थिरता को रोकने और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी।

पश्चिम एशिया में तनाव बरकरार: पश्चिम एशिया में यह भारी तनाव 28 फरवरी 2026 को शुरू हुआ। तब अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर एक बड़ा हवाई हमला किया था। इस हमले में ईरान के सबसे बड़े नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी। इसके बाद पूरे इलाके में जंग छिड़ गई। ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए उसी दिन, यानी 28 फरवरी 2026 से ही होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह बंद कर दिया। तब से अब तक करीब तीन महीनों से यह रास्ता बंद पड़ा है। इस रास्ते के बंद होने से दुनिया भर में कच्चे तेल और गैस की सप्लाई रुक गई है। समुद्री जहाजों का किराया और बीमा बहुत ज्यादा बढ़ गया है। हालांकि, बीच में युद्धविराम की कोशिशें हुईं, लेकिन तनाव अभी भी कम नहीं हुआ है। इसी वजह से क्वाड देशों को व्यापारिक जहाजों को बचाने के लिए आगे आना पड़ा है।

गेहूं काट रही महिला को हाथी ने कुचला, दहशत में ग्रामीण

लोहरदगा : जिले के भंडरा थाना क्षेत्र अंतर्गत भैंसमुंदो गांव में मंगलवार सुबह हाथी के हमले में एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। मृत महिला की पहचान बेदाल टांगरा टोली निवासी कृष्णा उरांव की पत्नी प्रतिमा कुमारी (22 वर्ष) के रूप में की गई है।

जानकारी के अनुसार महिला सुबह अपने खेत में गेहूं काटने गई थी। इसी दौरान जंगल की ओर से निकलकर दो हाथी गांव में प्रवेश किया, जिसमें एक हाथी वापस चला गया, जबकि दूसरा हाथी अचानक खेत में पहुंच गया। महिला कुछ समझ पाती इससे पहले ही हाथी ने उसे पटक कर कुचल दिया। जिसके बाद आसपास खेत में काम कर रहे ग्रामीणों ने शोर मचाकर हाथी को भगाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।

ग्रामीण घायल प्रतिमा कुमारी को लेकर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंडरा जा रहे थे, पर रास्ते में ही घायल महिला ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने पर भंडरा थाना पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लोहरदगा भेज दिया। वहीं वन विभाग की ओर से पीड़ित परिवार को सरकारी प्रावधान के तहत मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से इलाके में हाथियों का मूवमेंट बढ़ गया है, जिससे लोगों में भय बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथियों को आबादी क्षेत्र से दूर भगाने की मांग की है।

यूएस का ईरान पर बड़ा अटैक, बंदर अब्बास पर मिसाइल साइट्स बनी निशाना, होर्मुज के पास माइंस बिछा रहीं नावें की तबाह

नई दिल्ली/एजेंसी: अमेरिका ने दक्षिणी ईरान में नए सैन्य हमले किए हैं। अमेरिकी सेना ने दावा किया कि यह कार्रवाई आत्मरक्षा में की गई। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (यूएससीसी) के अनुसार हमलों में ईरानी मिसाइल लॉन्च साइट्स और उन नौकाओं को निशाना बनाया गया जो कथित तौर पर समुद्र में बारूदी सुरंगें बिछाने की कोशिश कर रही थीं। हमले बंदर अब्बास के आसपास किए गए। यह दक्षिणी ईरान का बेहद रणनीतिक बंदरगाह शहर है। यहां ईरान का बड़ा नौसैनिक अड्डा मौजूद है। एयर बेस स्थित है औरहोर्मुज जलडमरूमध्य के बेहद करीब है। दुनिया के तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी समुद्री रास्ते से गुजरता है, इसलिए यहां किसी भी सैन्य गतिविधि का असर पूरी दुनिया पर पड़ सकता है। ईरानी मीडिया के मुताबिक बंदर अब्बास में तीन धमाकों की आवाज सुनी गई। बंदर अब्बास एयरपोर्ट के पास विस्फोट की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय कर दिया गया। ईरानी एजेंसियों के मुताबिक फारस की खाड़ी के सिरिक और जास्क इलाकों में भी धमाकों जैसी आवाजें सुनी गईं।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर अनियंत्रित होकर पलटी बस

दरोगा समेत सात की मौत, 24 यात्री घायल, सीएम ने जताया शोक

उन्नाव : जिले में दिल्ली से गोरखपुर जा रही प्राइवेट स्लीपर बस मंगलवार सुबह पांच बजे लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक दरोगा समेत सात यात्रियों की मौत हो गई। वहीं, तीन पुलिसकर्मी समेत 24 यात्री घायल हुए हैं। हादसे के वक्त बस में 52 यात्री थे। बस की रफ्तार इतनी तेज थी कि पलटने के बाद100 मीटर तक घिसती चली गई।

दिल्ली से गोरखपुर जा रही स्लीपर बस में कुल 52 यात्री सवार थे। तेज रफ्तार होने के कारण चालक नियंत्रण खो बैठा और बस पुलिया से टकराने के बाद पलट गई। हादसे के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। करीब आधे घंटे बाद यूपीडा कर्मी और पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

24 घायल लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर : घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद 24 घायलों को लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। एसपी जयप्रकाश सिंह ने बताया कि कुछ घयल यात्रियों की हालत गंभीर होने से लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

सीएम योगी ने जताया शोक: लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण सड़क हादसे का सीएम योगी ने संज्ञान लिया है। उन्होंने हादसे में हुई मौतों पर गहरा शोक व्यक्त किया है और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। सीएम ने अधिकारियों को दुर्घटना स्थल पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, प्रशासन को राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के लिए कहा है। कहा कि मृतकों के परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाएगा।

निर्माणाधीन सेप्टिक टैंक में दम घुटने से छह लोगों की मौत

कालाहांडी/एजेंसी: ओडिशा के कालाहांडी जिले में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में निर्माणाधीन सेप्टिक टैंक के अंदर दम घुटने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह घटना मदनपुर-रामपुर थाना क्षेत्र के करियाखुंटा गांव में हुई। हादसे में एक अन्य व्यक्ति की तबीयत भी बिगड़ गई, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शवों को परिजनों को सौंपा।

कैस हुआ हादसा? : पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सभी लोग निर्माणाधीन सेप्टिक टैंक के अंदर काम कर रहे थे। इसी दौरान आशंका है कि जहरीली गैस या ऑक्सीजन की कमी के कारण उनका दम घुट गया। सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे और सभी को बाहर निकाला गया।

मुख्यमंत्री ने अनुग्रह राशि देनी की घोषणा की : इस हादसे पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने गहरा दुख जताया है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट जारी कर कहा कि मदनपुर-रामपुर में निर्माण स्थल पर हुए इस हादसे में छह लोगों की मौत बेहद दुखद है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए प्रत्येक मृतक के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) से 4-4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

न्यूज IN ब्रीफ

तोड़फोड़ व पुलिस पर पथराव करने वाले तीन अभियुक्तों को भेजा गया जेल

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भीमडाहा के पास वर्ष 2021 में सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मृत्यु होने के बाद ग्रामीणों द्वारा रोड जाम कर वाहन को तोड़फोड़ एवं पुलिस पर पथराव करने के आरोप में हंटरगंज थाना कांड संख्या 19/21, दिनांक 10.02.21, धारा- 147/148/ 149/ 188/ 341/ 323/ 325/ 353/ 307/ 504 आईपीसी अंकित किया गया था। उक्त कांड में न्यायालय चतरा द्वारा रोड जाम कर वाहन को तोड़फोड़ करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध निर्गत वारंट के आधार पर तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। गिरफ्तार अभियुक्तो मे अप्राथमिकी अभियुक्त विनय कुमार दास (36वर्ष),सुमिरन दास (30 वर्ष) दोनों के पिता स्वर्गीय अरविंद दास,मोहम्मद हमजा अली (36 वर्ष) पिता मोहम्मद स्वर्गीय अब्दुल कयूम सभी ग्राम पाण्डेयपुरा थाना हंटरगंज जिला चतरा के निवासी है। छापेमारी दल में पुअनि सह थाना प्रभारी प्रभात कुमार थाना,सअनि सुनील कुमार दुबे एवं हंटरगंज थाना सशस्त्र बल के जवान समेत एवं महिला आरक्षी शामिल थी।

करंट की चपेट में आईं दो सगी बहनें घायल, एक गंभीर

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के डुमरीकला सोमरी बाजार के समीप सोमवार शाम करंट की चपेट में आने से दो सगी बहनें गंभीर रूप से झुलस गईं। घायलों में फिटिंग टांड़ निवासी रूपलाल भारती के 10 वर्षीय पुत्री मनीषा कुमारी और 8 वर्षीय पुत्री निशा कुमारी है। जानकारी के अनुसार दोनों बहने साप्ताहिक हाट बाजार सोमरी डुमरी आई थी, तभी बाजार से कुछ ही दूरी पर जमीन में गिरे मट्टी के ऊंचाई पर खेल रही थी। इसी दौरान मिट्टी के उपर झूल रहे 33 हजार वोल्ट तार के करेंट के चपेट में अचानक दोनों बहने आ गईं। हालांकि स्थानीय ग्रामीणों ने आनन फानन में दोनों बहनों को हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया और भर्ती करवाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों बहनों को बेहतर इलाज के लिए गया मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया है। चिकित्सकों ने बताया कि बड़ी बहन गंभीर रूप से घायल है उसकी एक हाथ पूरी तरह से झुलस चुकी है।

मरीजों को ढोनेवाला 108 एंबुलेंस खुद बीमार, धक्का मार एंबुलेंस के सहारे स्वास्थ्य व्यवस्था

चतरा: राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य विभाग को बेहतर बनाने के लिए करोड़ो रुपए खर्च कर रही है। यहां तक की सभी स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजो को ढ़ोने की सुविधा के लिए एम्बुलेंस वाहन दिया है। एम्बुलेंस दिया तो ठीक लेकिन एम्बुलेंस खुद बीमार है ऐसे में मरीज को क्या सुविधा मिलेगी।कुछ ऐसा ही हंटरगंज स्वास्थ्य केन्द्र की 108 एम्बुलेंस की है, जहां 108 एम्बुलेंस मरीजो को ढोनेवाली मरीज सोमवार शाम खुद बीमार हो गई। जानकारी के अनुसार फिटिंगटाड निवासी दो मासूमो को करेंट लगने के बाद उन्हें हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से गया रेफर किया गया था। परिजनों ने 108 पर कॉल कर एंबुलेंस मंगवाया, जैसे ही एम्बुलेंस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची बंद हो गई। दोनों मासूमों को एम्बुलेंस पर बैठाया गया, उसके बाद चालक स्टार्ट करने की कोशिश किया, लेकिन नहीं हुआ। मौके पर मौजूद कुछ ग्रामिणो और परिजनों ने 108 को धक्का दिया फिर भी एंबुलेंस चालू नहीं हुआ। थक हारकर मरीज के परिजनों ने निजी एम्बुलेंस से दोनों मासूमों को गया भेजवाया। 108 एम्बुलेंस चालक रविन्द्र यादव ने बताया की काफी दिनो खराब है इसको लेकर कई बार वरीय अधिकारियों से शिकायत किया हुआ बाबजूद कोई नहीं सुनता है। इधर ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग पर एम्बुलेंस को लेकर स्वास्थ्य विभाग पर सवालिया निशान खड़ा किया ग्रामीणों ने बताया कि सरकार ने एंबुलेंस की व्यवस्था आम जनता की सुविधा के लिए चालू किया है लेकिन विभागीय लापरवाही के चलते खामियाजा मरीज भुगत रहे हैं। आखिर कौन जिम्मेदार है? इधर चिकित्सा पदाधिकारी डॉ वेद प्रकाश ने बताया कि 108 एंबुलेंस की फिटनेस की बहुत लचर व्यस्था है।इसको लेकर कई बार मै जिला सीएल राजकुमार के बात किया हूँ लेकिन उन्होंने एंबुलेंस में फिटनेस को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिखाई। जिसका खामियाजा मरीज भुगत रहे हैं।

वज्रपात से हुई युवक की मौत, सांसद ने परिजनों से मिल जताई संवेदना

लातेहार : मनिका प्रखण्ड के रांकी कला पंचायत के कुई गांव निवासी स्व चंदन कुमार यादव के वज्रपात से आकस्मिक निधन की दुःखद सूचना मिलने पर चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह उनके आवास पहुँचे। सांसद श्री सिंह ने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की तथा इस कठिन समय में हर संभव सहयोग और साथ देने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि यह घटना अत्यंत पीड़ादायक है और इस दुःख की घड़ी में पूरा समाज परिवार के साथ खड़ा है। सांसद श्री सिंह ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री ने लॉन्च किया 'आदिनिवास' ऐप, बोले

आदिवासियों को एक सूत्र में जोड़ेगा ये डिजिटल प्लेटफॉर्म

अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिलेगी आदिवासियों से जुड़ी जानकारी

संवाददाता

रांची: अब डिजिटल प्लेटफार्म पर एक झलक में आदिवासियों से जुड़ी सारी जानकारी प्राप्त होगी। आदिनिवास नाम के इस ऐप का शुभारंभ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया है।

रांची के ऑड्रे हाउस में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने आदिनिवास डिजिटल ऐप का विधिवत शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आदिनिवास एप एक डिजिटल आदिवासी ऐप है, जो देशभर के आदिवासियों को एक सूत्र में जोड़ने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह हमारी संस्कृति, भाषा, भूमि, परंपरा और जीवनशैली के संरक्षण के साथ-साथ रोजगार और आर्थिक विकास के अवसरों को भी गति प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगा।

नितिन कुजूर ने तैयार किया आदिनिवास ऐपः आदिनिवास ऐप को आदिवासी समाज के नितिन कुजूर ने बनाया है जिसमें कई तरह की जानकारी दी गई है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने इसकी सराहना करते हुए कहा कि हमें आदिवासी समुदाय की पहचान पर गर्व करते हुए एकजुट होकर प्रगति की दिशा में कदम-कदम मिलाकर निरंतर आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

नितिन कुजूर ने कुछ नवाचार के माध्यम से अपनी जड़ों से जुड़कर एक सशक्त, आत्मनिर्भर एवं गर्वित आदिवासी समाज का निर्माण करना रहा है। जहां एक डिजिटल ऐप पर हम अपनी सोच-विचार और क्रिएटिविटी को देश और दुनिया में अलग पहचान दे सकें।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि नितिन कुजूर ने पूरी मेहनत, सिद्दत और लगन से डिजिटल प्लेटफार्म में इस ऐप को तैयार किया है। आदिवासी ऐप के नाम पर बहुत सारी चीजें छुपी है। आप सब जानते हैं कि हमलोग अलग-अलग युगों से गुजरते हुए आज डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पहुंच चुके हैं।

आज मोबाइल सहित डिजिटल गैजेट्स का महत्व कितना है, ये हम सभी लोग जानते हैं, पलक झपकते ही आप पूरे दुनिया में लोगों के साथ कनेक्ट हो सकते हैं, अपनी बातों को पूरी देश दुनिया तक पहुंचा सकते हैं। अपनी विशेषताओं, खूबियों एवं अपनी क्षमता को डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से लाखों लोगों तक पहुंचा सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी एक ऐसा समूह है जो दुनिया में सबसे अलग पहचान रखता है। अब आदिवासी समाज के युवा भी विकास की राह में तेजी से आगे भी बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय के बदलते परिवेश में जो बदलाव हो रहे हैं इन बदलाव के साथ हमें स्वयं को बदलने की आवश्यकता है। अपने सोच-विचारों में भी क्रिएटिविटी लानी होगी। इस भाग दौड़ में समाज, संस्कृति, सभ्यता छूट न जाए यह भी एक बड़ा सवाल है। नितिन का हुनर निश्चित रूप से समाज को एक नई दिशा प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के युवा अब झारखंड में ही कमर्शियल पायलट की ट्रेनिंग ले सकेंगे। राज्य सरकार द्वारा दुमका में पायलट ट्रेनिंग सेंटर को स्थापित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अपना पायलट ट्रेनिंग सेंटर हो इसके लिए हमने पिछले 7 वर्षों से कार्य योजना बनाई और इसका शुभारंभ हुआ। इस सेंटर में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले आदिवासी युवाओं को राज्य सरकार सभी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के होनहार युवाओं को पायलट ट्रेनिंग की सुविधा अपने राज्य में ही मिले यह हमारा प्रयास रहा है। झारखंड के युवा वर्ग किस प्रकार आत्मनिर्भर और स्वाबलंबी बने इस निमित्त राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है।

राज्यसभा चुनाव से पहले जेएमएम का बड़ा कदम

हॉर्स ट्रेडिंग की आशंका पर चुनाव आयोग को लिखा पत्र, केंद्रीय एजेंसियों पर निगरानी की मांग

संवाददाता

रांची: झारखंड में राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। इस बीच झारखंड मुक्ति मोर्चा ने चुनाव आयोग से निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित कराने की मांग की है। पार्टी के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने चुनाव आयोग को पत्र भेजकर केंद्रीय एजेंसियों की निगरानी सुनिश्चित करने की अपील की है।

विधायकों पर अनैतिक दबाव बनाने की कोशिशः जेएमएम की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि राज्यसभा चुनाव में संख्या बल स्पष्ट नहीं होने के बावजूद भाजपा नेताओं द्वारा उम्मीदवार उतारने को लेकर लगातार सार्वजनिक बयान दिए जा रहे हैं। पार्टी का आरोप है कि इससे राजनीतिक माहौल प्रभावित हो सकता है और विधायकों पर अनैतिक दबाव बनाने की कोशिश की जा सकती है।

सख्त निगरानी जरूरीः पत्र में यह भी आशंका जताई गई है कि चुनाव के दौरान विधायकों को आर्थिक प्रलोभन, भयादोहन और केंद्रीय एजेंसियों के जरिए प्रभावित करने का प्रयास हो सकता है। जेएमएम ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया की शुचिता बनाए रखने के लिए इस तरह की गतिविधियों पर सख्त निगरानी जरूरी है। पार्टी ने चुनाव आयोग से विशेष रूप से सीबीआई, ईडी, आईबी और एसीबी जैसी केंद्रीय एजेंसियों को निगरानी में रखने की मांग की है, ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष ढंग से संपन्न हो सके।

जेएमएम के पास कुल 56 विधायकः जेएमएम ने दावा किया कि गठबंधन के पास कुल 56 विधायक हैं, जबकि राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए 28 वोटों की आवश्यकता होती है। वहीं भाजपा के पास केवल 21 विधायकों का समर्थन है। ऐसे में गठबंधन दोनों सीटें आसानी से जीत सकता है। पार्टी ने चुनाव आयोग से पूरे मामले पर गंभीरता से संज्ञान लेने और किसी भी प्रकार की खरीद-फरोख्त, दबाव या राजनीतिक प्रभाव को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

भाजपा उतारेगी एक उम्मीदवारः राज्यसभा चुनाव को लेकर बढ़ी सरगर्मियों के बीच भाजपा ने एक उम्मीदवार उतारने का फैसला लिया है। भाजपा की राज्य चुनाव समिति की बैठक के बाद पार्टी के प्रदेश महासचिव अमर कुमार बाउरी ने कहा कि पार्टी केवल चुनाव लड़ने के लिए नहीं, बल्कि जीत सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उम्मीदवार उतार रही है। उन्होंने दावा किया कि 81 सदस्यीय विधानसभा में जीत के लिए जरूरी 28 वोट भाजपा हासिल कर लेगी।

एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष विनय उरांव का खूंटी दौरा

छात्र हितों और संगठन मजबूती पर हुई चर्चा

खूंटी: भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष विनय उरांव का खूंटी दौरा सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान उन्होंने संगठन की कार्यकारिणी बैठक में हिस्सा लिया और जिले में संगठन को नए सिरे से मजबूत करने को लेकर कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की। दौरे का मुख्य उद्देश्य छात्र हितों की रक्षा, संगठन विस्तार तथा युवाओं को एनएसयूआई से जोड़ने की रणनीति तैयार करना रहा।

बैठक में संगठन के पुनर्गठन और विस्तार पर विशेष जोर दिया गया। प्रदेश अध्यक्ष विनय उरांव की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यकारिणी बैठक में खूंटी जिले में एनएसयूआई को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने पर विस्तृत मंथन हुआ। बैठक में मौजूद पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि जिले में संगठन का नए सिरे से गठन किया जाएगा ताकि छात्र-छात्राओं की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाया जा सके और उनकी आवाज को मजबूती मिले। बैठक के दौरान छात्रों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी गंभीर चर्चा हुई। कॉलेजों में शैक्षणिक व्यवस्था, छात्र सुविधाएं, नामांकन, परीक्षा व्यवस्था तथा युवाओं की भागीदारी जैसे विषयों को प्राथमिकता दी गई। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि एनएसयूआई हमेशा छात्रों के अधिकारों और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करती रही है और आगे भी छात्र हित सर्वोपरि रहेगा।

कार्यकारिणी बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष विनय उरांव ने अपनी टीम के साथ बिरसा कॉलेज का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कॉलेज के प्राचार्य से मुलाकात कर कैंपस की शैक्षणिक व्यवस्था, आधारभूत सुविधाओं और छात्रों को होने वाली परेशानियों के संबंध में सकारात्मक चर्चा की। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए छात्रों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है।

इस पूरे दौरे में युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सुमित पाठक और एनएसयूआई के सक्रिय सदस्य राहुल केसरी मुख्य रूप से मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और अधिक से अधिक छात्रों को जोड़ने की प्रतिबद्धता जताई।

बैठक की सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए सुमित पाठक ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष विनय उरांव का यह दौरा खूंटी की छात्र राजनीति को नई दिशा देने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में एनएसयूआई छात्र-छात्राओं के हक और अधिकारों की लड़ाई को और मजबूती के साथ आगे बढ़ाएगी तथा जिले के हर कॉलेज और शैक्षणिक संस्थान में छात्रों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

नौतपा शुरू होते ही बढ़ी किसानों की चिंता

संवाददाता

चतरा : जिले में नौतपा शुरू होते ही गर्मी ने अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। सोमवार से तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण आम जनजीवन प्रभावित होने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार 25 मई से 2 जून तक प्रचंड गर्मी पड़ने की संभावना है। किसानों ने बताया कि लगातार बढ़ रही गर्मी से खेतों की नमी तेजी से खत्म हो रही है, जिससे खेती कार्य प्रभावित हो सकता है। किसान सुरेंद्र सिंह, कामेश्वर यादव और रामप्रवेश ठाकुर ने बताया कि आज से पड़ रही तेज गर्मी के कारण खेतों में काम करना मुश्किल हो गया है। दोपहर में लू जैसे हालात बन रहे हैं और पशुओं को भी काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि यदि इसी तरह तापमान बढ़ता रहा तो सब्जी और दलहन फसलों को नुकसान हो सकता है। किसानों ने प्रशासन से गांवों में पेयजल और बिजली व्यवस्था दुरुस्त रखने की मांग की है। इधर डॉक्टरों ने लोगों को दोपहर में घर से बाहर नहीं निकलने, अधिक पानी पीने और धूप से बचाव करने की सलाह दी है।

बकरीद को लेकर पुलिस ने किया मॉक ड्रिल

संवाददाता

खूंटी: आगामी पर्व त्योहार के मद्देनजर खूंटी पुलिस शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल बनाए रखने के निमित्त मॉक ड्रिल का अभ्यास किया। मॉक ड्रिल के दौरान खूंटी के कचहरी मैदान में पुलिस टीम द्वारा दंगाईयों और असामाजिक तत्वों से निपटने की पूरी तैयारी कराई गई। जैसे ही दंगाईयों द्वारा हिंसक गतिविधियों को अंजाम दिया जाता है जिला पुलिस बल, जैप, रैफ की टुकड़ी दंगाईयों पर नियंत्रण के लिए हवाई फायरिंग करेगी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अश्रु गैस के गोले दागने की जरूरत पड़े तो पुलिस त्वरित कार्रवाई करेगी।

जिले के पुलिस कप्तान ऋषभ गर्ग ने बताया कि आगामी बकरीद त्योहार के मद्देनजर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में कार्य करेगी। हालांकि पूर्व में बकरीद का त्योहार शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया गया लेकिन रामनवमी के त्योहार बीके वक्त मुरहू में कुछ हिंसक झड़पे हुई थीं। मुरहू के पूर्व हिंसक मामले को लेकर पुलिस प्रशासन ने किसी भी तरह के तनावपूर्ण माहौल और दंगाईयों को चिन्हित कर विधिसम्मत कार्रवाई करेगी। जगह जगह चौक चौराहों पर मजिस्ट्रेट बहाल किए जायेंगे, जिले में शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल बना रहे इसे लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। दंगाईयों द्वारा पत्थरबाजी या अन्य हिंसक गतिविधियों को अंजाम दिया जाए तो फौरन पुलिस एक्शन मोड में सख्ती से दंगाईयों पर कार्रवाई करेगी साथ ही किसी तरह की भगदड़ या नकारात्मक घटनाएं होती हैं तो वैसी परिस्थिति में सीनियर पुलिस पदाधिकारियों के निर्देश के मुताबिक पुलिसिया कार्रवाई की जाएगी। साथ ही कंट्रोल रूम का नंबर पर फोन कर पुलिस को जानकारी दिया जाए। 9471771101, जगह जगह पुलिस बल तैनात रहेंगे, सीसीटीवी से शहर के चौक चौराहों और संवेदनशील इलाकों की मॉनिटरिंग की जाएगी। साथ ही ड्रोन के माध्यम से पूरे शहर कि निगरानी की जाएगी चौक चौराहों में महिला बटालियन की भी तैनाती की जाएगी। साथ ही एम्बुलेंस की व्यवस्था भी की जाएगी। किसी भी तरह की आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक सभी संसाधन उपलब्ध होंगे। घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए एम्बुलेंस और स्वास्थ्यकर्मी ड्यूटी पर रहेंगे। खूंटी पुलिस प्रशासन सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए आमजनों के सहयोग की भी उम्मीद करती है।

रामगढ़ कैंट प्रधान डाकघर के पोस्ट मास्टर बने जसीम खान, कहा-

डाक विभाग की सभी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का काम करूंगा

रामगढ़: मोहम्मद जसीम खान ने आज रामगढ़ कैंट प्रधान डाकघर में पोस्ट मास्टर के पद पर पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रधान डाकघर के सभी कर्मचारियों ने उनका भव्य स्वागत किया। सबसे पहले उन्हें डाकघर परिवार के तरफ से बुके दिया गया और अंग वस्त्र देकर उनका स्वागत किया गया। श्री खान इसके पहले धनबाद में कार्यरत थे। आज पदभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने कहा कि प्रधान डाकघर के सभी कर्मचारियों को मैं साथ लेकर डाक विभाग की सभी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का काम करूंगा। प्रधान डाकघर में आने वाले सभी ग्राहकों को डाकघर की सभी जन सुविधा उपलब्ध रहेगी । किसी भी प्रकार की डाकघर की समस्या हो ग्राहक सीधे हमसे संपर्क कर सकते हैं । मैं उनकी सभी समस्याओं को समाधान करने का कोशिश करूंगा। हमारे जितने भी डाककर्मी हैं वह राष्ट्रहित, विभाग हित और कर्मचारी हित में काम करते हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से रामगढ़ जिला सब डिवीजन मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव रविशंकर राय, सहायक डाकपाल रामेश्वर प्रसाद ,रामखेलावन चौधरी ,नरेंद्र सिंह ,अरुण कुमार सिंह, दिलीप कुमार , चंद्रशेखर प्रसाद ,संतोष कुमार ,अंकित कुमार ,चंदन कुमार महतो, राज कपूर कुमार ,आदर्श अनिकेत ,प्रिया वर्णवाल ,बबीता कुमारी ,त्रिदेव प्रियदर्शी ,पंकज कुमार ,रंजीत रजवार ,शुभम सौरभ ,सौरभ कुमार ,अमन कुमार ,रंजन कुमार ,शंभू दत्त सिंह , जयवंत भोक्ता ,रिमझिम कुमारी ,बीरबल मांझी, अवधेश कुमार ,वासुदेव कुमार, बिट्टू कुमार , विकास राय ,पीयूष कुमार ,कुमार बिट्टू ,कुमार गंभीर करमाली, सुशील कुमार शाह ,शमीम अंसारी, संतोष मुंडा ,अरे लाल महतो, शुक्र मुंडा समेत कई डाक कर्मचारी उपस्थित थे । सभी ने नव पद स्थापित पोस्टमास्टर जसीम खान का स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी।

रिम्स लैंड स्कैम के दो आरोपियों की जमानत पर अगली सुनवाई 3 जून को

मेट्रो रेज

रांची: रिम्स की अधिग्रहीत जमीन से जुड़े फर्जीवाड़ा मामले के दो आरोपियों राजकिशोर बड़ाइक और कार्तिक बढ़ाइक की जमानत याचिका पर मंगलवार को एसीबी की विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में याचिकाकर्ता की ओर से बहस जारी है। अगली सुनवाई 3 जून को होगी।

बता दें कि एसीबी ने बीते 7 अप्रैल को चार आरोपियों (राजकिशोर बड़ाईक, कार्तिक बड़ाईक, राजेश झा और चेतन कुमार) को गिरफ्तार किया था। आरोपियों ने मिलीभगत कर रिम्स की अधिग्रहीत जमीन को निजी संपत्ति दिखाने के लिए फर्जी वंशावली तैयार की थी।

झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के बाद एसीबी ने बीते 5 जनवरी को प्राथमिकी दर्ज की थी। दरअसल, यह मामला 1964-65 में रिम्स की अधिग्रहीत करीब 9.65 एकड़ जमीन के अतिक्रमण से जुड़ा है। जिसपर अवैध कब्जा कर अपार्टमेंट, दुकान और मकान बना लिया गया था। बाद में हाईकोर्ट के आदेश से इस अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया था।

गैंगस्टर विकास तिवारी को सीआईडी द्वारा दर्ज केस में हाईकोर्ट से मिली जमानत

रांची: कुख्यात गैंगस्टर विकास तिवारी को झारखंड हाई कोर्ट के वेकेशन बेंच न्यायाधीश रंगन मुखोपाध्याय की अदालत से राहत मिली है अदालत ने विकास तिवारी के खिलाफ सीआईडी द्वारा दर्ज केस 08/2024 मामले में जमानत प्रदान की है। यह जमानत साक्ष्यों के अभाव के कारण दी गई, मामले में अदालत में सीआईडी के कमजोर पक्ष और तथ्यों को कमी बताते हुए प्रार्थी पक्ष में फैसला सुनाया गया. यह मामला रंगदारी से जुड़ा है जहां मृत्यु का भय दिखाकर जबरन वसूली का आरोप कुख्यात विकास तिवारी समेत उसके गुर्गे मुकेश साव उर्फ पठान पर है जहां सीआईडी ने चार्जशीट भी दाखिल किया है, मामले में विकास तिवारी का पक्ष अधिवक्ता हेमंत कुमार सिकरवार, अधिवक्ता मौली सिन्हा एवं अमनदीप ने रखा वही सीआईडी की तरफ से अधिवक्ता शैलेश कुमार सिन्हा रख रहे थे।

सरकार पानी दे दो के नारों से गूंजी रांची

भीषण गर्मी में पानी संकट पर फूटा महिलाओं का गुस्सा, कर्बला चौक जाम

गुलाम शाहिद

रांची : शहर में लगातार बढ़ती गर्मी और पेयजल संकट ने आम लोगों का जीवन बेहाल कर दिया है। राजधानी के कर्बला चौक सहित कई इलाकों में पानी की भारी किल्लत से परेशान महिलाओं का गुस्सा आखिरकार सड़कों पर फूट पड़ा। ह्लसरकार पानी दे दोह्व के नारों के साथ महिलाओं ने सड़क जाम कर प्रशासन और नगर निगम के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारी महिलाओं का कहना है कि कई दिनों से घरों में पानी की आपूर्ति ठप है। लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं, जबकि जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि सिर्फ आश्वासन देने में लगे हैं।भीषण गर्मी में बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं की स्थिति सबसे ज्यादा खराब हो गई है।महिलाओं ने आरोप लगाया कि नगर निगम और स्थानीय पार्षद जनता की मूलभूत समस्याओं के प्रति पूरी तरह उदासीन हैं। पानी जैसी आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने में प्रशासन की विफलता ने लोगों को सड़क पर उतरने के लिए मजबूर कर दिया है। प्रदर्शन के दौरान सड़क पर लंबा जाम लग गया और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द स्थायी समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। यह घटना राजधानी में बिगड़ती जलापूर्ति व्यवस्था और प्रशासनिक लापरवाही की गंभीर तस्वीर पेश करती है। जनता अब सवाल पूछ रही है कि स्मार्ट सिटी के दावे करने वाली सरकार आखिर लोगों को पीने का पानी कब उपलब्ध कराएगी?

जयंत गैस एजेंसी की मनमानी से उपभोक्ता परेशान

रांची: लालपुर स्थित जयंत गैस एजेंसी की मनमानी चरम पर है। उपभोक्तों को गैस डिलेवरी का मैसेज आने के बाद भी पंद्रह- पंद्रह दिनों तक दौड़ाया जा रहा है ऑफिस में बात करने पर कहा जाता है कि घर पहुंच जाएगा जबकि गैस ना घर पहुंच रहा है और ना ही ऑफिस जाने पर कोई सुनवाई हो रही है। एक उपभोक्ता को बुकिंग के पंद्रह से बीस दिन बाद डीएसी मैसेज आता है फिर चौदह मई को इनवॉइस और डिलेवरी का मेसेज आता है लेकिन ना उसे गैस मिलता है और ना ही ऑफिस कुछ सुनवाई करती है। ऐसे ना जाने कितने ही उपभोक्ता परेशान है, इन गर्मियों में में सुबह से लोगों की लाइन लगा दी जाती है और गैस दिया भी नहीं जाता । उपभोक्ता अपनी शिकायत कहां दर्ज करे इन परेशान लोगों की कोई सुनने वाला नहीं।

इलाज के दौरान महिला कर्मी की मौत, परिजनों ने डॉक्टर और अस्पताल प्रबंधन पर लगाया गंभीर लापरवाही का आरोप

मेट्रो रेज

रांची: राजधानी रांची के मेन रोड स्थित सेंटविटा अस्पताल में इलाज के दौरान झारखंड विधानसभा सचिवालय में कार्यरत एक महिला कर्मी की मौत हो जाने के बाद मामला गंभीर हो गया है। मृतका के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टर पर इलाज में भारी लापरवाही बरतने तथा हत्या का आरोप लगाते हुए कोतवाली थाना में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोरहाबादी स्थित बालाजी अपार्टमेंट निवासी स्वर्गीय दीपक कुमार शुक्ला की पत्नी अंजना तिवारी झारखंड विधानसभा में निम्नवर्गीय सचिवालय सहायक के पद पर कार्यरत थीं। उन्हें गोल ब्लैडर स्टोन की समस्या के इलाज हेतु सेंटविटा अस्पताल, मेन रोड, रांची में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में डॉक्टर राजेश कुमार मारक द्वारा उनका ऑपरेशन किया गया।

परिजनों का आरोप है कि 24 मई 2026 को ऑपरेशन के दौरान मरीज की आंत में पंचर हो गया, जिसके कारण अत्यधिक रक्तस्राव हुआ और उनकी स्थिति लगातार गंभीर होती चली गई। शिकायत पत्र में कहा गया है कि डॉक्टरों की लापरवाही इतनी गंभीर थी कि इलाज के क्रम में एक ही दिन में मरीज को 6 यूनिट कोल्ड ब्लड और 2 यूनिट प्लाज्मा चढ़ाना पड़ा।

आरोप यह भी लगाया गया है कि जब मरीज की स्थिति अत्यंत नाजुक हो गई, तब अस्पताल प्रबंधन ने कार्डियक की समस्या का हवाला देकर उन्हें महावीर मेडिका अस्पताल रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान 26 मई 2026 की सुबह करीब 9 बजे अंजना तिवारी की मौत हो गई।

मृतका के देवर सुनील कुमार शुक्ला द्वारा कोतवाली थाना प्रभारी को दिए गए आवेदन में कहा गया है कि यह घटना डॉक्टर और अस्पताल प्रबंधन की घोर लापरवाही का परिणाम है। आवेदन में डॉक्टर राजेश कुमार मारक और अस्पताल प्रबंधन पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए हत्या का मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

घटना के बाद परिजनों और परिचितों में आक्रोश का माहौल है। वहीं, पुलिस मामले की जांच और आवेदन के आधार पर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

एक माह पूर्व स्थापित जल कलश को आज गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर उतारा गया

रांची: वार्ड नंबर 36 अरगोड़ा पीपर टोली नागड़ा ढीपा तारा नगर आवासीय परिसर स्थित पंच मंदिर में एक माह पूर्व स्थापित जल कलश को गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर आज उतारा गया । पंच मंदिर संचालन समिति द्वारा श्री शिवाय नमोस्तुभ्यं,हर हर महादेव बाबा भोलेनाथ, देवो के देव शिव शंकर जी का रुद्राभिषेक पूजा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को पंच मंदिर तारा नगर के प्रधान पुजारी पंडित मणिकांत पाठक ने विधि विधान से मंत्रोच्चारण कर पंच देवों का आह्वान कर नियमानुसार विधिवत पूजन आरती कराया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं माताओं ,बहनों ,बुजुर्गो भाईयों ने महाप्रसाद ग्रहण किया। मुख्य जजमान बीरेंद्र साहु, अन्य जजमान में रामेन्द्र सिन्हा, अशोक साहु, विवेक कुमार, शशि भूषण प्रसाद, विनय श्रीवास्तव के साथ ही प्रधान पुजारी पंडित मणिकांत पाठक स्वयं पूजा का साक्षी बन पूरे पूजा को संपन्न कराया।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, हजारीबाग

सर्वसाधारण के लिये सूचना

बड़कागांव (डाडीकला ओ0पी0) थाना काण्ड सं0– 239/2025, दि0–15.10.2025, धारा– 137(2) भा0न्या0सं0 के आलोक में लापता बच्चा– सत्यम कुमार (उम्र– 15 वर्ष), पे0–प्रदीप महतो, ग्राम–आराहरा, थाना– बड़कागांव (डाडीकला, जिला– हजारीबाग दिनांक– 21.09.2025 को रात्रि समय करीब 21:00 बजे अपनी माँ से लड़ाई झगड़ा कर मोटरसाईकिल लेकर अपने गांव आराहरा से निकला था जो अभी तक वापस घर नहीं आया है। काफी खोजबीन करने के बाद भी कुछ पता नहीं चल सका है। हुलिया:– उम्र– 15 वर्ष, रंग–सॉवला, लम्बाई– 5 फीट 7 इंच, बाल–घुंघरैला, पहनावा–ब्लू रंग का पैन्ट एवं लाल रंग का शर्ट, पहचान–चिन्ह–दाहिने हाथ में पंजा के उपर ओम का गोदा हुआ है।

इस संबंध में यदि किसी प्रकार की सूचना हो तो थाना प्रभारी बड़कागांव (डाडीकला ओ0पी0)/अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, बड़कागांव, हजारीबाग के कार्यालय के निम्नांकित फोन नम्बर पर सम्पर्क कर इसकी सूचना दें।

सम्पर्क सूत्र:–
अनु0पु0पदा0 बड़कागांव, हजारीबाग :– 8804176570
थाना प्रभारी बड़कागांव (डाडीकला ओ0पी0), हजारीबाग :– 8271396905

पुलिस अधीक्षक,
हजारीबाग

PR 380661 Police (26-27)_D

समाज को एक सूत्र में बांधने का काम करता है मंडा पूजा : स्वामी देवेंद्र प्रकाश

बुढ़मू: मुरुपीरी में शिव मण्डा पूजा समिति के बैनर तले दो दिवसीय मण्डा पूजा का आयोजन किया गया है, आज फूलखुंदी एवं जागरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। भारी संख्या में भोक्ता एवं सोक्ताईनों ने आग के अंगारों के बीच नंगे पांव चलकर शिव उपासना का परिचय दिया। इस आयोजन में केंद्रीय मण्डा पूजा समिति, झारखंड के संरक्षक स्वामी देवेंद्र प्रकाश मुझे मुख्य अतिथि के रूप में एवं केंद्रीय अध्यक्ष राजकुमार महतो ,महामंत्री उदय पासवान , विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस आयोजन में केंद्रीय मण्डा पूजा समिति, संरक्षक , श्री स्वामी ने कहा कि मण्डा पूजा पूर्व के नागवंशी राजाओं एवं हमारे पूर्वजों के द्वारा सैकड़ो वर्षों से मनाते आ रहे हैं, इसे जीवित रखना हमारा कर्तव्य है और यह पूजा लोक आस्था का महापर्व है। केंद्रीय अध्यक्ष राजकुमार महतो ने कहा मण्डा पूजा में भक्ति और शक्ति के साथ अपनी सांस्कृतिक, धार्मिक विरासत है, जिसे बचाए रखने के लिए युवाओं को आगे आना चाहिए। भव्य मण्डा पूजा के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए केंद्रीय मण्डा पूजा समिति की ओर से समिति के पदाधिकारियों को अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया। इस आयोजन में संरक्षक स्वामी देवेंद्र प्रकाश, उदय पासवान, तपन कुमार महतो, उत्पल सहदेव, बिंटू लाल सहदेव मुख्य रूप से शामिल हुए तथा आयोजन को सफल बनाने में समिति के मुख्य समिति के अध्यक्ष विकास कुमार राम, रंथू प्रजापति व अन्य की भागीदारी रही।

महंगाई के बीच दिखा त्योहार का उत्साह

ईद-उल-अजहा 28 मई को, तैयारियों में जुटे लोग, बाजारों में बढ़ी रौनक

रांची: ईद-उल-अजहा (बकरीद) को लेकर राजधानी रांची में तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। शहर के बाजारों, कपड़ा दुकानों और खासकर बकरा मंडियों में लोगों की भीड़ उमड़ने लगी है। त्योहार को लेकर लोगों में उत्साह देखने को मिल रहा है, हालांकि इस बार महंगाई का असर भी साफ नजर आ रहा है। अंजुमन प्लाजा के सामने लगने वाली बकरे की मंडी में इन दिनों खरीदारों की भारी भीड़ जुट रही है। बाजार में 15 हजार रुपये से लेकर एक लाख रुपये तक के बकरे उपलब्ध हैं। लोग अपनी पसंद और बजट के अनुसार खरीदारी कर रहे हैं। व्यापारियों के अनुसार इस बार चारे, परिवहन और अन्य खर्चों में वृद्धि के कारण बकरों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है।

ईद-उल-अजहा इस्लाम धर्म का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जिसे त्याग, समर्पण और इंसानियत का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर दी जाने वाली कुबार्नी केवल एक रस्म नहीं, बल्कि त्याग, जरूरतमंदों की मदद और भाईचारे का संदेश देती है। धार्मिक विद्वानों का कहना है कि बकरीद का वास्तविक उद्देश्य दिखावा नहीं, बल्कि इंसानियत, साझेदारी और अल्लाह की रजा हासिल करना है। त्योहार के मौके पर समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द और सहयोग की भावना को बढ़ावा मिलता है।

शहर में त्योहार को लेकर सुरक्षा और साफ-सफाई की तैयारियां भी तेज कर दी गई हैं। प्रशासन द्वारा बाजारों और प्रमुख स्थलों पर विशेष व्यवस्था की जा रही है ताकि लोग शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मना सकें।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय,राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

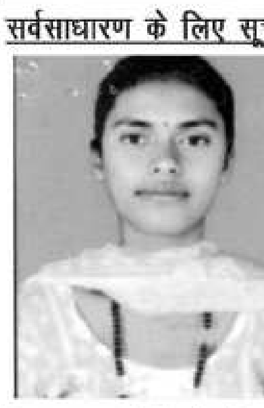

नाम–सुमाति उराँव, उम्र–20 वर्ष, ऊँचाई–4 फिट 5 ईंच, रंग–साँवला, पहनावा–नीला रंग की साड़ी पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता महिला सुमाति उराँव, सा0–मोरो गोपला टोली, थाना–ईटकी, जिला–राँची जो दिनांक–29.04.2026 को बगैर बताए कहीं चली गई जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में ईटकी थाना सनहा सं0–07/2026, दिनांक–13.05.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता महिला कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)
पुलिस उपाधीक्षक, बेडो, राँची। –9431728777
थाना प्रभारी, ईटकी, राँची। –9431706179

वरीय पुलिस अधीक्षक,
राँची

PR 380685 Police(26-27).D

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम–रिसी कुमार, उम्र–19 वर्ष, ऊँचाई–5 फीट 7 ईंच, रंग–साँवला,पहनावा–लाल रंग का टी शर्ट एवं नीला रंग का जींस पैंट पहने हुए है।

उपरोक्त लापता व्यक्ति रिसी कुमार, उम्र–19 वर्ष, पिता–राजेश साव, सा0–देवरिया, थाना–हंटरगंज, जिला–चतरा, वर्तमान पता–बांधटोली, थाना–नगड़ी, जिला–राँची जो दिनांक–16.05.2026 को घर से बगैर बताए कहीं चले गए जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। जिसके संबंध में नगड़ी थाना सन्हा सं0–23/2026, दिनांक–17.05.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता व्यक्ति कहीं मिलता/दिखता है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)
पुलिस उपाधीक्षक, मु0 द्वितीय, राँची। –9431706142
थाना प्रभारी, नगड़ी, राँची। –9431706176

वरीय पुलिस अधीक्षक,
राँची

PR 380691 (Police)26-27*D

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

रेल प्रशासन व जनता की सजगता ही सुरक्षा की ढाल

सुरक्षा, संरक्षा और समय' के ध्येय वाक्य वाले भारतीय रेलवे में रेलों और इनमें सफर करने वाले यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े खतरे के जो संकेत मिले हैं वे चिंताजनक हैं। ये संकेत देश भर की ट्रेनों में आगजनी की कोशिशों के मामलों से जुड़ी घटनाओं के हैं। रेलवे की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि इनमें से कुछ सामान्य दुर्घटनाएं नहीं थीं बल्कि सुनियोजित रूप से शरारती तत्वों ने इन्हें अंजाम दिया था। यह भी आशंका जताई गई कि यह किसी षड्यंत्र से जुड़ी आपराधिक वारदातें भी हो सकती हैं। ऐसी घटनाओं में आतंकी गतिविधियों से भी इनकार नहीं किया जा सकता। भारतीय रेलवे देश की जीवन रेखा भी इसीलिए मानी जाती है क्योंकि प्रतिदिन करोड़ों यात्री रेलों पर ही निर्भर हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा पर कोई खतरा मंडराता है तो चौकसी की जरूरत और बढ़ जाती है।

इसमें दो राय नहीं कि रेलवे कोच में आग लगने की घटनाओं पर अलार्मिंग सिस्टम से समय रहते काबू पाना काफी संभव हो गया है। चलती ट्रेन में आग की वजह ज्वलनशील पदार्थों की कोच में मौजूदगी अथवा शॉर्टसर्किट होना तो सामने आती रही है। लेकिन पश्चिम बंगाल में दो माह पहले रेलवे प्लेटफॉर्म पर खड़ी ट्रेन के कोच में आग लगी तब भी यह आशंका जताई गई थी कि आग कोच के भीतर से नहीं लगी बल्कि किसी ने जानबूझ कर बाहर से आग लगाई है। पिछले दिनों उत्तरप्रदेश में पुलिस ने एक राष्ट्रविरोधी साजिश से जुड़े एक गिरोह का पदार्फाश किया था। यात्रियों के जीवन को खतरे में डालने के लिए ये सीमा पार बैठे अपने आकाओं के निर्देश पर रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाने में जुटे थे। आगजनी की ऐसी घटनाओं में आतंकी साजिश भी हो सकती है, इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। भारतीय रेलों में ज्वलनशील पदार्थ सफर में साथ ले जाने पर कानूनी प्रतिबंध है। लेकिन यह भी एक तथ्य है कि हमारे यहां रेल आम आदमी की सवारी है। कोई यात्री बीड़ी-सिगरेट व माचिस साथ ले जाए तो विमान सेवाओं की तरह इन पर प्रतिबंध को लागू करने की व्यवस्था को कड़ा करते हुए हर यात्री की सुरक्षा जांच करना मुश्किल भरी हो सकता है। पहलगाम आतंकी हमले की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने जो चार्जशीट दाखिल की है, उसमें भी इस बात का खुलासा है कि आतंकियों को पनाह देने के बजाय स्थानीय लोगों ने समय रहते उनकी जानकारी सुरक्षा बलों को दी होती तो निर्दोष लोगों की जान बच सकती थी। रेलवे सुरक्षा से जुड़ा मसला भी ऐसा ही है। रेलवे के साथ-साथ नागरिकों की भी यह जिम्मेदारी है कि वे भी सजग रहें। सुरक्षा नियमों का पालन तो सफर के दौरान करें ही, कहीं कोई संदिग्ध गतिविधियां नजर आए तो सुरक्षा बलों को सूचित करें। सुरक्षा बलों को भी अपना व्यवहार ऐसा रखना होगा जिसमें उन तक आम आदमी की पहुंच बिना डर और संकोच के हो सके। आमतौर पर किसी आपदा में फंसने के डर से लोग सुरक्षा बलों को जानकारी देने में हिचकते हैं।

क्यों होगी पीएम की विदाई?

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भविष्यवाणी की है कि एक साल बाद नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे। प्रधानमंत्री पद से उनकी विदाई तय है। दावा यह भी है कि उनकी भविष्यवाणी कभी गलत साबित नहीं होती। आने वाले चुनावों में हिंदू-मुसलमान के बजाय आर्थिक असमानता, अर्थात अमीर बनाम गरीब, तथा महंगाई सबसे बड़े मुद्दे होंगे। उन्होंने यह भी संबोधित किया है कि यदि मुसलमान पर अत्याचार हो, तो मुसलमान का नाम लें। अल्पसंख्यक की जगह मुसलमान न कहें। ध्रुवीकरण की शुरूआत यहीं से होती है। राहुल गांधी ने जिस बैठक को संबोधित कर यह भविष्यवाणी की और भविष्य के चुनावी मुद्दों को रेखांकित किया, उसमें 52 प्रमुख अल्पसंख्यक नेता मौजूद थे। मुसलमान के अलावा, जैन, सिख, ईसाई समुदायों के प्रतिनिधि भी थे। कांग्रेस नेता ने किन आधारों, जनादेशों और राजनीतिक बदलाव के संकेतों, रुझानों पर यह दावा किया है कि प्रधानमंत्री मोदी की विदाई तय है? राहुल के हिंदू-मुसलमान वाले सांप्रदायिक और ध्रुवीकृत विश्लेषण से भी हम सहमत नहीं हैं, क्योंकि देश इसी सोच और विभाजन को झेल रहा है। केरल में कई मुसलमानों को कांग्रेस सरकार में मंत्री बनाया गया है, क्योंकि कांग्रेस नेतृत्व के गठबंधन के लिए मुस्लिम लीग का समर्थन अनिवार्य है। कांग्रेस को हालिया चुनावों में केरल में ही जनादेश मिला है, शेष राज्यों में वह या तो गायब हो गई है अथवा हाशिए पर है। क्या इसी आधार पर प्रधानमंत्री की विदाई का दुस्वप्न देखा जा रहा है? पश्चिम बंगाल में भाजपा जनादेश पूरी तरह हिंदुत्व पर आधारित है, जहां करीब 85 फीसदी हिंदुओं ने भाजपा को वोट दिए। अधिकांश चुनावों की बुनियाद हिंदु-मुसलमान पर ही आश्रित है। दोनों ही समुदाय सांप्रदायिक भी हैं। खासकर मुसलमान धर्मनिरपेक्षता का प्रतीक है और हिंदू की लामबंदी सांप्रदायिक करार दी जाती है। यह व्याख्या और धारणा ही गलत है। रही बात अमीर-गरीब की, तो आर्थिक असमानता और विषमताएं देश की आजादी से पहले ही अस्तित्व में रही हैं। आज भी मोदी सरकार करीब 81.35 करोड़ भारतीयों को मुफ्त अनाज बांट रही है। यह आर्थिक असमानता का सबसे ज्वलंत उदाहरण है। देश के करीब 10 फीसदी तबके के पास राष्ट्रीय आय का करीब 58 फीसदी हिस्सा मौजूद है, तो 50 फीसदी से अधिक भारतीय ऐसे हैं, जिन्हें राष्ट्रीय आय का 15 फीसदी ही नसीब है। एक और डाटा गौरतलब है कि मात्र 1 फीसदी वर्ग के पास देश की 40 फीसदी संपदा है। देश में 10 फीसदी तबका ऐसा है, जिसकी तिजौरियों, बैंकों, निवेश में 65 फीसदी संपत्ति जमा है, जबकि 50 फीसदी से अधिक ऐसे लोग हैं, जिनके हिस्से मात्र 6 फीसदी ही देश की संपदा है। हम उन करोड़ों भारतीयों की तो बात कर ही नहीं रहे, जो गरीबी-रेखा के नीचे जीने को अभिशप्त हैं। इससे गहरी और फासलेदार आर्थिक असमानता कोई और हो सकती है क्या? इस विभाजक यथार्थ के बावजूद आर्थिक असमानता कभी भी चुनावी मुद्दा नहीं बन पाई? आखिर क्यों? अमीर-गरीब भारत के लिए सनातन और शाश्वत मुद्दा है। सवाल कहीं ओझल न हो जाए कि आखिर राहुल गांधी किस आधार पर प्रधानमंत्री मोदी की विदाई तय मान रहे हैं? लोकसभा चुनाव 2029 में हैं। प्रधानमंत्री के पास 293 सांसदों का समर्थन है, जिनकी टूटने या पाला बदलने की जरा-सी भी आशंका नहीं है। बिन चुनाव या अविश्वास प्रस्ताव पारित हुए प्रधानमंत्री कैसे बदला जा सकता है? भारत कोई केला-गणतंत्र नहीं है। राहुल गांधी ने ऐसा बयान देकर देश में भ्रम, अस्थिरता, अराजकता और सनसनी फैलाने की राजनीति खेली है। चूंकि वह मुसलमान या अल्पसंख्यक नाममात्र के नेताओं को संबोधित कर रहे थे, लिहाजा ऐसी बेतुकी भविष्यवाणी करना उनकी राजनीति का हिस्सा रही है। यकीनन देश में संकट का माहौल है। वह आर्थिक कम, लेकिन अन्य संदर्भों का संकट है। तेल-गैस-खाद के संकट हैं। देश में बेरोजगारी सबसे अहम संकट और समस्या है। क्या कांग्रेस नेतृत्व का विपक्ष इस पर कोई आंदोलन खड़ा कर पाया है?

मिलावट केवल कानून का उल्लंघन ही नहीं, विश्वास व स्वास्थ्य पर भी हमला

> केंद्र सरकार के अनुसार, 2024-25 में खाद्य सुरक्षा और मिलावट से जुड़ी 7700 से अधिक शिकायतें दर्ज हुईं। 2022-23 में यह संख्या लगभग 4330 थी, जो अगले वर्ष बढकर 4735 तक पहुंच गई। शिकायतों में वृद्धि को केवल जागरूकता का परिणाम मान लेना पर्याप्त नहीं होगा। बाजार में नकली और मिलावटी खाद्य पदार्थों का कारोबार नए रूपों में फैल रहा है। सबसे अधिक चिंता दूध और दुग्ध उत्पादों को लेकर सामने आती है।

बलवंत राज मेहता

देश में खाद्य पदार्थों में मिलावट का सवाल अब केवल उपभोक्ता अधिकार या बाजार नियंत्रण का मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक नैतिकता से जुड़ा राष्ट्रीय संकट बनता जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकारें लगातार जीरो टॉलरेंस की बात कर रही हैं। त्योहारों पर विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। दूध, मावा, तेल, मसाले और मिठाइयों के नमूने लिए जा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद मिलावट का जाल टूटता दिखाई नहीं देता। मिलावटखोरों की सक्रियता यह संकेत देती है कि कानून का डर अभी भी उतना प्रभावी नहीं बन पाया है, जितना होना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों के आंकड़े इस चिंता को और गहरा करते हैं।

7700 से अधिक शिकायतें दर्ज हुईंः केंद्र सरकार के अनुसार, 2024-25 में खाद्य सुरक्षा और मिलावट से जुड़ी 7700 से अधिक शिकायतें दर्ज हुईं। 2022-23 में यह संख्या लगभग 4330 थी, जो अगले वर्ष बढकर 4735 तक पहुंच गई। शिकायतों में वृद्धि को केवल जागरूकता का परिणाम मान लेना पर्याप्त नहीं होगा। बाजार में नकली और मिलावटी खाद्य पदार्थों का कारोबार नए रूपों में फैल रहा है। सबसे अधिक चिंता दूध और दुग्ध उत्पादों को लेकर सामने आती है। उत्तर भारत के कई राज्यों में दूध, मावा, घी और पनीर के नमूनों में भारी गड़बड़ियां मिली हैं। दूसरी ओर, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में शिकायतें अपेक्षाकृत कम हैं। वहां स्थानीय निगरानी व्यवस्था, सहकारी मॉडल और उपभोक्ता जागरूकता बेहतर मानी जाती है। यह अंतर बताता है कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसकी स्थानीय और सामाजिक स्तर पर प्रभावी क्रियान्विति भी जरूरी है। राजस्थान ने हाल के वर्षों में शुद्ध आहार-मिलावट पर वार जैसे अभियान चलाकर इस दिशा में सक्रिय पहल की है। कई जिलों में मावा, मसाले और तेल के नमूने फेल पाए गए। सैकड़ों मामलों में दोष सिद्ध होना यह दशार्ता है कि मिलावट का नेटवर्क कितना गहरा और संगठित है। कुछ राज्यों के प्रयोग उम्मीद भी जगाते हैं।

इन उदाहरणों से समझें- बदलाव संभव हैः गुजरात का फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स मॉडल उल्लेखनीय माना जा रहा है। मोबाइल प्रयोगशालाओं के जरिए गांवों और कस्बों में मौके पर जांच की व्यवस्था ने निगरानी को अधिक प्रभावी बनाया। केरल ने होटल और खाद्य प्रतिष्ठानों की डिजिटल रेटिंग प्रणाली शुरू कर उपभोक्ताओं को स्वच्छता और गुणवत्ता की जानकारी देना शुरू किया। तमिलनाडु ने स्कूलों में फूड सेफ्टी क्लब बनाकर बच्चों को जागरूक करने का प्रयास किया। ये उदाहरण बताते हैं कि यदि प्रशासनिक इच्छाशक्ति और सामाजिक भागीदारी साथ हो, तो बदलाव संभव है। लेकिन मूल प्रश्न बना हुआ है कि आखिर मिलावटखोरी रुक क्यों नहीं रही? इसका पहला कारण है तेजी से बढ़ता उपभोक्तावाद और आसान मुनाफे की मानसिकता। कम लागत में अधिक कमाई की लालसा समाज के एक हिस्से को अपराध की ओर धकेल रही है। दूसरा कारण निगरानी तंत्र की सीमाएं हैं। देश में खाद्य कारोबार करने वाली इकाइयों की संख्या लाखों में है, लेकिन निरीक्षकों और प्रयोगशालाओं की संख्या सीमित है। तीसरी और सबसे गंभीर समस्या उपभोक्ता स्तर पर है। लोग सस्ते सामान के आकर्षण में बिना गुणवत्ता जांच वाले खाद्य पदार्थ खरीद लेते हैं। जब तक उपभोक्ता स्वयं सजग नहीं होंगे, तब तक सरकारी अभियान अकेले निर्णायक परिणाम नहीं दे पाएंगे।

दोषियों के लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द किए जाएंः इस समस्या का स्थायी समाधान व्यापक सामाजिक परिवर्तन में छिपा है। हर जिले में आधुनिक खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना हो। मोबाइल टेस्टिंग वैन को गांवों तक पहुंचाया जाए। शिक्षण संस्थानों में बच्चों को मिलावट पहचानने के सरल तरीके सिखाना आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित बनाने की दिशा में बड़ा कदम हो सकता है। साथ ही, दोषी कारोबारियों के उजागर करने की नीति लागू होनी चाहिए। दोषियों के लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द किए जाएं। खाद्य उत्पादों की डिजिटल ट्रैकिंग और क्यूआर आधारित पारदर्शी आपूर्ति प्रणाली आवश्यकता बन चुकी है। दरअसल, मिलावट केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि समाज के विश्वास और स्वास्थ्य पर हमला है। जिस देश की संस्कृति अन्न को ब्रह्म मानती हो, वहां भोजन सामग्री में मिलावट करना केवल अपराध नहीं, बल्कि नैतिक पतन का संकेत भी है। इसलिए सरकार, बाजार और समाज, तीनों को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि मिलावट लाभ का नहीं, बल्कि कठोर दंड और सामाजिक शर्म का कारण बने। तभी जीरो टॉलरेंस का नारा वास्तविक अर्थों में सफल माना जाएगा।

प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली को अधिक तार्किक बनाने की जरूरत

> प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण का यदि विश्लेषणात्मक अध्ययन किया जाए तो वह औपचारिक शिक्षा को प्रमुखता प्रदान कर उसके आधार पर प्रवेश प्रक्रिया को अंजाम देने का दर्शन रखते हैं। उनके दृष्टिकोण में प्रतियोगिताओं के नाम पर प्रतियोगी, अभिभावक और शहरों को हो रही असुविधा को समाप्त करना है। अनेक परीक्षाएं अपना औचित्य भी नहीं रखतीं, अर्थात उनके बिना भी प्रवेश या रोजगार दिया जाना संभव हो सकता है। प्रशासनिक और वित्तीय सुधार की दृष्टि से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को तार्किक आधार के साथ एक-दूसरे के साथ मिलाना या एक परीक्षा के परिणाम को दूसरे चयन का आधार बनाना चाहिए।

डॉ. विवेक एस.

प्रतियोगिताओं के बोझ के कारण आज का युवा अपनी नैसर्गिक प्रतिभा खो रहा है। इन परीक्षाओं में प्रतियोगी के एक दिन या तात्कालिक प्रदर्शन को ही आधार बनाया जाता है। वह दिन प्रतियोगी विशेष के लिए शारीरिक, सामाजिक या अन्य कारणों से सामान्य नहीं हो सकता। ऐसे में परिणाम उस दिन के प्रदर्शन पर निर्भर होता है जबकि यह केवल परीक्षा विशेष के लिए गुणात्मक आधार नहीं देता। हालांकि उच्चतर शिक्षा और रोजगार की आशा लिए युवाओं के पास इस दौर से गुजरने के अलावा विकल्प भी नहीं होता।

प्रतियोगी परीक्षाओं का बढ़ता दबाव और युवाओं की चुनौतीः संभवतया प्रतियोगिताओं के व्यापक विस्तार को दृष्टिगत रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2015 को लालकिले की प्राचीर से सरकार में बीसी और डी समूह की भर्तियों के लिए साक्षात्कार को विलोपित करने के लिए कहा था। युवाओं पर बढ़ते सामाजिक, मानसिक और आर्थिक बोझ को कम करने की दिशा में यह एक सार्थक कदम था। किंतु हर स्तर पर भर्ती के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की वेदना कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है। विभिन्न राज्य सरकारों की ओर से परीक्षाओं की संख्या को न्यूनतम तक ले जाने के बजाय राज्य स्तरीय टेस्टिंग एजेंसियों का गठन किया जाता है। एक परीक्षा से कई अवसर देने की जरूरतः प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण का यदि विश्लेषणात्मक अध्ययन किया जाए तो वह औपचारिक शिक्षा को प्रमुखता प्रदान कर उसके आधार पर प्रवेश प्रक्रिया को अंजाम देने का दर्शन रखते हैं। उनके दृष्टिकोण में प्रतियोगिताओं के नाम पर प्रतियोगी, अभिभावक और शहरों को हो रही असुविधा को समाप्त करना है। अनेक परीक्षाएं अपना औचित्य भी नहीं रखतीं, अर्थात उनके बिना भी प्रवेश या रोजगार दिया जाना संभव हो सकता है। प्रशासनिक और वित्तीय सुधार की दृष्टि से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को तार्किक आधार के साथ एक-दूसरे के साथ मिलाना या एक परीक्षा के परिणाम को दूसरे चयन का आधार बनाना चाहिए। साथ ही, सरकारी भर्तियों के लिए समेकित योजना से भी प्रतियोगिताओं की संख्या पर अंकुश लग सकता है। राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय ने विभिन्न पैरामेडिकल कोर्सेज की अलग-अलग प्रवेश परीक्षाओं के स्थान पर एक संयुक्त परीक्षा की व्यवस्था की। इस तरह प्रवेशार्थी को अनेक परीक्षाओं की जगह केवल एक परीक्षा देनी होगी।

प्रतियोगी परीक्षाओं का बढ़ता कारोबार और छात्रों की दुविधा : रोजगार और शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश के लिए विद्यालयी या महाविद्यालयी परीक्षा परिणामों को आधार बनाने से एक बड़ा तबका राहत महसूस करेगा। लेकिन प्रतियोगी परीक्षाओं पर आधारित विशाल अर्थव्यवस्था से जुड़े हितधारक इस दृष्टिकोण पर भारी पड़ रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के नाम पर चल रहे व्यावसायिक प्रतिष्ठान नई प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देते हैं, जबकि प्रामाणिक जानकारी के अभाव में छात्र व्यावसायिक संस्थानों की ओर आकर्षित हो जाते हैं। आइआइटी कानपुर की पहल से विकसित साथी ऐप ने विशेषज्ञ सामग्री के साथ विभिन्न परीक्षाओं के लिए उपयोगी मंच उपलब्ध कराया है। सीबीएसई ने भी विद्यार्थियों को साथी से जोड़ने के निर्देश दिए हैं, जिससे उन्हें अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके। आवश्यकता है कि इस प्रकार की पहल देश के समस्त शीर्ष संस्थानों द्वारा की जाए। अतः प्रतियोगिताओं की वर्तमान प्रणाली को संख्यात्मक दृष्टि से कम करते हुए तार्किक और गुणात्मक आधार प्रदान करने की आवश्यकता है।

ईश्वर के संबंध में

ओशो

चिंतन-मनन

मनुष्य इतना धोखेबाज है कि वे अपनी ही बातों से स्वयं को धोखा देने में समर्थ हो जाता है। ईश्वर की बहुत चर्चा करते-करते तुम्हें लगता है कि तुमने ईश्वर को जान लिया, इतना जान लिया ईश्वर के संबंध में कि लगता है ईश्वर को जान लिया। लेकिन ईश्वर के संबंध में जानना, ईश्वर को जानना नहीं है। यह तो ऐसे ही है जैसे कोई प्यासा पानी के संबंध में सुनते-सुनते सोच ले कि पानी को जान लिया और प्यास तो बुझेगी नहीं। पानी की चर्चा से कहीं प्यास बुझी है। परमात्मा की चर्चा से भी प्यास न बुझेगी और जिनकी बुझ जाए, समझना कि प्यास लगी ही न थी। तो बुद्ध कहते हैं कि अगर जानना ही है तो परमात्मा के संबंध में मत सोचो, अपने संबंध में सोचो। क्योंकि मूलतः तुम बदल जाओ, तुम्हारी आंख बदल जाए, तुम्हारे देखने का ढंग बदले, तुम्हारे बंद झरोखे खुलें, तुम्हारा अंतर्तम अंधेरे से भरा है, रोशन हो, तो तुम परमात्मा को जान लोगे। फिर बात थोड़े ही करनी पड़ेगी। ज्ञान मौन है। वह गहन चुप्पी है। फिर तुमसे कोई पूछेगा तो तुम मुस्कराओगे। फिर तुमसे कोई पूछेगा तो तुम चुप रह जाओगे। ऐसा नहीं कि तुम्हें मालूम नहीं है, वरन अब तुम्हें मालूम है, कहो कैसे? गूंगे केरी सरकरा। कहना भी चाहोगे, जुबान न हिलेगी। बोलना चाहोगे, चुप्पी पकड़ लेगी। इतना बड़ा जाना है कि शब्दों मे समाता नहीं। पहले शब्द की बात बड़ी आसान थी, जाना ही नहीं था कुछ, तो पता ही नहीं था कि तुम क्या कह रहे हो। जब तुम ईश्वर शब्द का प्रयोग करते हो तो तुम कितने महान शब्द का प्रयोग कर रहे हो, इसका पता न था। ईश्वर शब्द कोरा था, खाली था। अब अनुभव हुआ। महाकाश समा गया उस छोटे से शब्द में। अब उस छोटे से शब्द को मुंह से निकालना झूठा करना है। अब कहना नहीं है, अब तुम्हारा पूरा जीवन कहेगा, तुम न कहोगे। इसलिए बुद्ध ने कहा बात मत करो, चर्चा की बात नहीं है। पीना पड़ेगा, जीना पड़ेगा। अनुभव करना पड़ेगा। जो जानते नहीं हैं उनकी बात व्यर्थ है। जो जानते हैं वे उसकी बात नहीं करते। बुद्ध ने बहुत बात की है, लेकिन परमात्मा के संबंध में न की। मनुष्य के संबंध में की। मनुष्य बीमारी है, परमात्मा स्वास्थ्य है। बीमारी को ठीक पहचान लो, कारण खोज लो, निदान करो, चिकित्सा हो जाने दो। जो शेष बचेगा बीमारी के चले जाने पर, मनुष्य के तिरोहित हो जाने पर, तुम्हारे भीतर जो शेष रह जाएगा, वही परमात्मा है। तुम जब तक हो, तब तक परमात्मा नहीं है, तुम लाख सिर पटको, तुम लाख शब्दों का संयोजन जमाओ, तुम लाख भरोसा करो। तम्हारा भरोसा तुम्हारा ही होगा।

आपके पत्र

रूपये का अवमूल्यन : चुनौती भी, अवसर भी

पश्चिम एशिया में जारी तनाव, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और बढ़ती महंगाई के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था एक नए दबाव का सामना कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ऊर्जा की बचत की अपील और आर्थिक मंदी की आशंका व्यक्त करना इसी चिंता को दशार्ता है। होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव के कारण कच्चे तेल, गैस और उर्वरकों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई है, जिससे भारत का आयात बिल काफी बढ़ गया है।

इसका सीधा असर भारतीय रुपए पर पड़ रहा है और अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि भविष्य में रुपया प्रति डॉलर 100 रुपए के स्तर तक पहुंच सकता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। रुपए का अवमूल्यन चुनौती भी है, और अवसर भी है।

रमेश सिंह

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

भुगतान नहीं मिलने से सेविकाओं की आर्थिक स्थिति खराब : सवाना

साहिबगंज : आंगनबाड़ी सेविका संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक सदर अंचल कार्यालय मे आयोजित की गई।जिसमें सेविकाओं ने लंबे समय से मानदेय एवं पोषक आहार राशि का भुगतान नहीं होने पर गहरी नाराजगी जताई।बैठक की अध्यक्षता संघ की अध्यक्ष सवाना आजमी ने की।बैठक में अध्यक्ष सवाना आजमी ने कहा कि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की ओर से जनवरी माह से अब तक सेविकाओं का मानदेय भुगतान नहीं किया गया है।वहीं फरवरी माह से पोषक आहार मद की राशि भी लंबित है,जिससे आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।उन्होंने कहा कि लगातार भुगतान नहीं मिलने के कारण सेविकाओं की आर्थिक स्थिति खराब होती जा रही है।कई सेविकाएं उधार लेकर केंद्र चला रही हैं।लेकिन अब आगे इस तरह काम कर पाना संभव नहीं है।संघ की अध्यक्ष ने सरकार से जल्द बकाया राशि भुगतान करने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि शीघ्र भुगतान नहीं किया गया तो आंगनबाड़ी सेविका संघ आंदोलन करने को बाध्य होगी।बैठक में मौजूद सेविकाओं ने भी एक स्वर में कहा कि सरकार उनकी समस्याओं को गंभीरता से ले और लंबित मानदेय एवं पोषक आहार राशि का जल्द भुगतान सुनिश्चित करे।मौके पर जिला अध्यक्ष शबाना आजमी,अंजू देवी सरस्वती देवी,रेखा देवी,पूनम देवी,सोनी कुमारी, जयंती देवी,आशा देवी,नीलू देवी,मंजू कुमारी,मनी देवी,मुश्किरत खातून,मुन्नी देवी सहित सेविका मौजूद थी।

नागरिक कर्तव्य के माध्यम से हम लोग समाज में परिवर्तन ला सकते हैं : डॉ रंजीत

साहिबगंज : कौशल्या ज्योति ट्रस्ट और राजमहल मॉडल कॉलेज द्वारा आज के युवा और नागरिक शिष्टाचार विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया।इस विषय पर आयोजित गोष्ठी में प्रतिभागियों ने भाग लिया और उन्हें संस्था के द्वारा सम्मानित किया गया।

मंच का संचालन प्रोफेसर रमजान अली ने किया।उक्त विषय पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए मॉडल कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर डॉक्टर रंजीत सिंह,कौशल्या ज्योति ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ सुरेंद्रनाथ तिवारी,नेत्र चिकित्सक डॉ राजकुमार गंगा समग्र के प्रांत संयोजक डॉ देवव्रत ने कहा कि पंच परिवर्तन यानी कुटुंब प्रबोधन स्वदेशी पर्यावरण सामाजिक समरसता और नागरिक कर्तव्य के माध्यम से हम लोग समाज में परिवर्तन ला सकते हैं। युवाओं के ऊपर कल के समृद्ध भारत का भविष्य है यदि आप नागरिक शिष्टाचार का पालन करेंगे।आप परिश्रमी ईमानदार बनेंगे और पूरे लगन के साथ शिक्षा ग्रहण करेंगे।तो ही आप अपने परिवार समाज और देश को मजबूत कर सकते हैं।इस गोष्ठी में मॉडल कॉलेज के प्रशांत कुमार,सुजान परवीन फरहान शेख,सुहानी कुमारी प्राची सिंह तन्नू,नूपुर सेन निकिता राजवंशी जैनब आरा ने भी अपनी बातों को मजबूती से रखा और कहा कि देश की अखंडता के साथ कोई समझौता नहीं होगा और हम युवा यदि अच्छे कर्तव्यों का पालन करेंगे तो निश्चित भारत विश्व गुरु बनेगा।सभी युवा वक्ताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर मोहम्मद आकिब जावेद,नरेश कुमार मंडल,अमित कुमार,सौरभ कुमार शैलेश मिश्रा आदि उपस्थित थे।

संस्कार भारती हजारीबाग साधारण सभा में नई कार्यकारिणी का विस्तार

हजारीबाग : संस्कार भारती, हजारीबाग जिला इकाई की साधारण सभा का आयोजन एक गरिमामयी और सांस्कृतिक वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राकेश रमन प्रांत मंचीय कला संयोजक द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। जिला अध्यक्ष कुमार केशव ने मुख्य अतिथि का स्वागत अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राकेश रमन ने कहा कि संस्कार भारती भारतीय कला, साहित्य और संस्कारों के संरक्षण में निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रही है। उन्होंने वर्तमान समय में तकनीक के बढ़ते प्रभाव पर चिंता जताते हुए कहा कि आज के दौर में व्याप्त सांस्कृतिक प्रदूषण के बीच एआई एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। कला को एआई के प्रदूषण से बचाना और उसे सुरक्षित रखना आज की अनिवार्य आवश्यकता है। उन्होंने कलाकारों से आग्रह किया कि वे नियमित साधना में कोई समझौता न करें, क्योंकि कला केवल निरंतर अभ्यास के बल पर ही ऊंचाइयों को छू सकती है। सांगठनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रांतीय पर्यवेक्षक राकेश रमन ने हजारीबाग इकाई के लिए तीन नए संरक्षकों की नियुक्ति की घोषणा की। इसमें राजेंद्र प्रसाद प्रसिद्ध व्यवसायी एवं समाजसेवी,हृदय कांत पाठक सेवानिवृत्त सहायक समादेष्टा बीएसएफ डॉ. नीलमणि मुखर्जी प्राचार्य, अन्नदा महाविद्यालय नवनियुक्त संरक्षकों को मंच पर आसीन कराकर सम्मानित किया गया। सभा की शुरूआत शोभा सिंहा एवं उनकी शिष्याओं द्वारा प्रस्तुत संस्कार भारती ध्येय गीत और सरस्वती वंदना से हुई, जिसमें राहुल कुमार सिंहा ने तबले पर संगत दी। प्रशासनिक कार्यों के अंतर्गत मंत्री राजीव कुमार झा ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।जिसे सदस्यों ने ओंकार ध्वनि के साथ पारित किया। वहीं कोषाध्यक्ष अनिल कुमार पांडे द्वारा प्रस्तुत आय-व्यय प्रतिवेदन को भी सर्वसम्मति से स्वीकृति मिली।सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभा में चार चांद लगा दिए।अय्याशीका राय द्वारा स्वागतम कृष्णा पर एकल नृत्य, शोभा सिंहा की शिष्याओ द्वारा मनमोहक राजस्थानी नृत्य और रूबी राणा शर्मिष्ठा डांस एकेडमी की शिष्याओं द्वारा ऊजार्वान हरियाणवी नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष डॉ. के.के. गुप्ता ने किया। इस अवसर पर विभाग प्रमुख शंकर चंद्र पाठक, प्रांत महामंत्री संजय कुमार श्रीवास्तव, प्रांत कोषाध्यक्ष सीए विकास वर्मा, किशोर कुमार सिंहा, अविरल लाल, संजय कुमार, राजीव रंजन एवं पूजा राय सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन कोषाध्यक्ष अनिल पांडे के धन्यवाद ज्ञापन एवं सामूहिक वंदे मातरम गायन के साथ हुआ।

परिवारों तक समय पर खाद्यान्न पहुंचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी श्री दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला आपूर्ति व्यवस्था जन वितरण प्रणाली ई-केवाईसी, राशन कार्ड प्रबंधन, गोदाम निर्माण और डाकिया योजना से संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर समाहर्ता श्री गौतम भगत, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू मिश्रा, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, सहायक गोदाम प्रबंधक एवं संबंधित कर्मी उपस्थित थे। जबकि उपायुक्त ने विभिन्न प्रखंडों में सरकारी गोदामों व भवनों की मरम्मत और निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी की जिसमें संबंधित अधिकारियों को लंबित निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने का निर्देश दिया। बरहेट में नए भवन निर्माण हेतु आवश्यक कार्रवाई करने तथा भूमि संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही अन्य संभावित स्थलों की पहचान कर गोदाम निर्माण कार्य प्रारंभ कराने का भी निर्देश दिया गया।समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने ई-केवाईसी कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। बैठक में बताया गया कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति संतोष जनक नहीं है। इस पर उपायुक्त ने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को विशेष अभियान एवं शिविर आयोजित कर ई-केवाईसी कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि तकनीकी अथवा सर्वर संबंधी समस्याओं को आधार बनाकर कार्य में शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी , निर्धारित लक्ष्य समयबद्ध रूप से पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाए। खाद्यान्न उठाव व वितरण व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने एफसीआई से खाद्यान्न प्राप्ति व लाभुकों तक वितरण की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिया कि चावल गेहूं अन्य आवश्यक खाद्यान्नों का वितरण पारदर्शी, निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए। वितरण में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी अथवा विसंगति पाए जाने पर संबंधित डीलरों व कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।राशन कार्ड से संबंधित प्रक्रियाओं की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने निर्देश दिया कि पात्र लाभुकों के आवेदन किसी हाल में लंबित नहीं रखे जाएं। उन्होंने कहा कि आवेदनों की वर्तमान स्थिति की स्पष्ट जानकारी लाभुकों को उपलब्ध करें । पात्र लाभुकों को नियमा नुसार समय पर लाभ प्रदान किया जाए।बैठक में राशन कार्ड में नाम जोड़ने, हटाने एवं सुधार से संबंधित प्रक्रियाओं की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, जन वितरण प्रणाली की दुकानों के नियमित निरीक्षण पर विशेष बल देते हुए सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहे नियमित रूप से पीडीएस दुकानों का औचक निरीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान स्टॉक पंजी, खाद्यान्न वितरण दुकान संचालन समय, लाभुकों को वितरित खाद्यान्न की मात्रा आवश्यक सूचनाओं के प्रदर्शन की जांच सुनिश्चित करने को कहा गया।उन्होंने स्पष्ट कहा कि लाभुकों को निर्धारित मात्रा से कम खाद्यान्न वितरण करना कम वजन देना दुकान समय पर नहीं खोलना अथवा किसी प्रकार की अनियमितता गंभीर मामला माना जाएगा। ऐसे मामलों में संबंधित डीलरों के विरुद्ध तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए अनुज्ञप्ति रद्द करने की कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए विशेष रूप से डाकिया योजना की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि पीभीटीजी परिवारों तक समय पर खाद्यान्न पहुंचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने निर्देश दिया कि डाकिया योजना के अंतर्गत खाद्यान्न वितरण में किसी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता अथवा शिकायत पाए जाने पर संबंधित कर्मियों एवं पदाधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन वितरण प्रणाली , सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में पूर्ण पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता बरती जाए तथा आमजन को समय पर योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।

युवा अनुशासन और एकाग्रता अध्ययन से लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं : प्राचार्य

संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मॉडल कॉलेज राजमहल में प्राचार्य डॉ.रणजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में स्वास्थ्य जागरूकता सह निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन सिदो कान्हू मुर्मू के तैलीय तस्वीर पर पुष्प माल्यार्पण के साथ हुई। इस अवसर पर प्राचार्य महोदय ने मुख्य वक्ता डॉ. हर्ष कुमार को अंगवस्त्र स्मृति चिन्ह व पौधा भेंट कर उनका स्वागत और सम्मान किया।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. हर्ष कुमार, जो एक प्रसिद्ध फिजियोथे रेपिस्ट है ने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से मानव शरीर की संरचना का विस्तृत वर्णन करते हुए विभिन्न गंभीर बीमारियों उनके कारणों तथा उपचार के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनने के बाद उनके समाधान भी बताए। डॉ. हर्ष कुमार ने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी प्रोटीन फाइबर का सेवन अत्यंत आवश्यक है। जिसमें एक्यूप्रेशर और नसों-नाड़ियों के माध्यम से उपचार की प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।जबकि बताया कि शरीर की विभिन्न नसों बिंदुओं के माध्यम से अनेक बीमारियों का उपचार संभव है। कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक उपयोगी सिद्ध हुआ।डॉ रणजीत कुमार सिंह ने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि युवा अनुशासन निरंतरता और एकाग्रता अध्ययन अभ्यास से कोई लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं।उन्होंने कहा कि मानव का जीवन बड़ा धन स्वस्थ है। खास कर लड़कियों को विशेष रूप ध्यान देने पर बल दिया। कार्यक्रम में डॉ. सुरेंद्र नाथ तिवारी डॉ. देवब्रत, डॉ. राजकुमार साहा तथा डॉ. सुब्रत सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का संचालन डॉ.

रमजान अली और धन्यवाद ज्ञापन अमित कुमार ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शिक्षक कर्मचारी उपस्थित रहे थे।

ईस्टर्न झारखंड चैंबर का चुनाव संपन्न, राजेश अग्रवाल बने अध्यक्ष

संवाददाता

साहिबगंज : ईस्टन झारखंड चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की जिला कमिटी के सत्र 2026-28 के लिए सोमवार को शहर स्थित अमख धर्मशाला में चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।चुनाव को लेकर दिनभर व्यापारियों और समर्थकों के बीच उत्साह का माहौल बना रहा। निर्धारित समय दोपहर दो बजे चुनाव प्रक्रिया शुरू हुई।चुनाव पदाधिकारी सज्जन पोद्दार,अधिवक्ता राजीव निरंजन सिन्हा एवं सीए अफरोज खान ने सबसे पहले चुनाव व्यवस्था का जायजा लिया। इसके बाद विभिन्न पदों के लिए मतदान शुरू हुआ।मतदाताओं के लिए अलग-अलग कक्षों में गुप्त मतदान की व्यवस्था की गई थी।चुनाव पदाधिकारी सज्जन पोद्दार ने बताया कि कुल 133 मतदाताओं में से 126 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।मतदान समाप्त होने के बाद मतगणना शुरू हुई और देर शाम परिणाम घोषित किए गए। घोषित परिणाम के अनुसार राजेश अग्रवाल चैंबर के नए अध्यक्ष निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद पर अंकित केजरीवाल व संजय कुमार भुवानिया ने जीत दर्ज की।वहीं सचिव पद पर मोहित कुमार बेगराजका विजयी घोषित किए गए।सह-सचिव पद के लिए अजय कुमार डोकानिया एवं पिंटू कुमार शाह चुने गए,जबकि विवेक कुमार को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली कार्य कारिणी समिति के लिए रवि शंकर पोद्दार,राहुल कुमार जायसवाल, प्रकाश झुनझुन वाला,अंकित कुमार तंबाखूवाला,विकास कुमार कौशिक,नवल किशोर मंडल,शंकर प्रसाद शाह एवं शुभम तिवारी निर्वाचित घोषित किए गए।परिणाम घोषित होने के बाद समर्थकों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर बधाई दी। नव निर्वाचित अध्यक्ष राजेश अग्रवाल एवं सचिव मोहित बेगराजका ने सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे व्यापारी हितों की रक्षा व व्यवसायियों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे।

झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस स्वास्थ्य विभाग की नई कमेटी घोषित

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के संगठन व प्रशिक्षण महासचिव सुनीत शर्मा ने स्वास्थ्य विभाग की राज्य और जिला स्तरीय कमेटियों की आधिकारिक सूची जारी कर दी है।इस सूची को प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की मंजूरी के बाद अंतिम रूप दिया गया है।नई घोषित कमेटी में साहिबगंज जिले के बरहरवा क्षेत्र का दबदबा देखने को मिला है।जहाँ से दो प्रमुख चेहरों को बड़ी ज़िम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं।जारी आधिकारिक सूची के अनुसार, साहिबगंज के बरहरवा निवासी संतोष कुमार झा को झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस स्वास्थ्य विभाग में प्रदेश सचिव के पद पर मनोनीत किया गया है।राज्य कमेटी में उन्हें शामिल किए जाने से स्थानीय कार्यकताओं में खासा उत्साह है।इसके साथ ही संगठनात्मक विस्तार के तहत स्वास्थ्य विभाग के जिला अध्यक्षों की भी घोषणा की गई है।इसमें बरहरवा के ही प्रमित कुमार तिवारी को साहिबगंज जिला अध्यक्ष की कमान सौंपी गई है। दोनों नेताओं की नियुक्ति पर क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकताओं और समर्थकों ने खुशी जाहिर कर उम्मीद जताई कि इनके नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग के जमीनी कार्यों को गति मिलेगी।

एसडीओ ने पेयजल के लिए प्याऊ की शुरूआत की

बरही : लगातार बढ़ती गर्मी को देखते हुए सोमवार को एसडीओ जोहन टुडू ने बरही चौक और बरही निबंधन कार्यालय में प्याऊ की व्यवस्था की। कहा कि आमजन और राहगीरों को प्याऊ के शुद्ध पेयजल से राहत मिलेगी। एसडीओ जोहन टुड्डू ने बरही चौक पर प्याऊ की शुरूआत करते हुए कहा कि सभी विभागों के अधिकारी अपने कार्यालय स्थल और सार्वजनिक स्थलों पर प्याऊ की व्यवस्था करें और पेयजल व्यवस्था की नियमित निगरानी करें ताकि पीने का पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो। खराब पड़े चापाकल एवं जलमीनार की मरम्मत कराने और आवश्यकता अनुसार जहां पेयजल का अभाव है टैंकरों से भी जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कहा।

गैस वितरण प्रक्रिया का फील्ड स्तर पर सत्यापन कराया जाए : उपायुक्त

गैस एजेंसियों की कार्यशैली पर प्रशासन सख्त, सुधार नहीं होने पर होगी कानूनी कार्रवाई

संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में गैस वितरण व्यवस्था व प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर समाहर्ता श्री गौतम भगत जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री झुनू मिश्रा सहित विभिन्न गैस एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। जबकि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत प्राप्त नए आवेदनों के सत्यापन, गैस सिलेंडर वितरण में लंबित बैकलॉग, सब्सिडी व्यवस्था तथा आपूर्ति प्रणाली में सुधार को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान बताया गया कि मई माह तक जिले में लगभग 30 हजार गैस सिलेंडरों का बैकलॉग लंबित है। जिसमें सबसे अधिक बैकलॉग स्वास्तिक गैस एजेंसी का पाया गया।उपायुक्त श्री दूबे ने एजेंसियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि लंबित गैस डिलीवरी को प्राथमिकता के आधार पर यथाशीघ्र निष्पादित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी परिस्थिति में बिना ओटीपी,डीएसी सत्यापन के गैस वितरण नहीं किया जाए तथा सभी डिलीवरी कर्मियों द्वारा मोबाइल ऐप के माध्यम से अनिवार्य रूप से सत्यापन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने साफ शब्दों में अधिकारियों को निर्देश दिया कि गैस वितरण प्रक्रिया का फील्ड स्तर पर सत्यापन कराया जाए। यदि तीन दिनों के भीतर स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो इसके लिए कार्यपालक दंडाधिकारी एवं अंचल अधिकारियों की टीम गठित कर एजेंसियों की डिलीवरी व्यवस्था की निगरानी की जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि निर्धारित समयावधि में सुधार नहीं हुआ तो संबंधित एजेंसियों के विरुद्ध के तहत विधिक कार्रवाई की जाएगी। यह भी निर्देश दिया गया कि वास्तविक उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराई जाए किसी भी प्रकार की फर्जी बुकिंग अथवाअनियमितता पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही एजेंसियों को अपने इंडेंट सप्लाई चेन एवं गोदाम प्रबंधन को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए गए ताकि आम उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर अपर समाहर्ता श्री गौतम भगत, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री झुनू मिश्रा सहित विभिन्न गैस एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

घिस घिस घिस ने मचाया धमाल अक्षय-अक्षरा की जोड़ी छाई

अपनी विशाल स्टारकास्ट और बड़े कॉमिक यूनिवर्स को लेकर पहले ही जबरदस्त चर्चा में बनी हुई फिल्म ह्यवेलकम टू द जंगलह्व ने अब अपना नया गाना ह्यघिस घिस घिसह्व रिलीज कर दिया है। यह गाना बॉलीवुड और भोजपुरी तड़के का ऐसा धमाकेदार संगम है, जो प्लेलिस्ट, शादियों और सोशल मीडिया रील्स पर छाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

इस गाने की सबसे खास बात है अक्षय कुमार और भोजपुरी सुपरस्टार अक्षरा सिंह की दमदार जोड़ी, जिनकी केमिस्ट्री और स्क्रीन प्रेजेंस इस गाने में अलग ही आग लगा देती है। भव्य सेट्स, रंग-बिरंगे विजुअल्स, फेस्टिव वाइब्स और वायरल होने वाले हुक स्टेप्स के साथ घिस घिस घिस को पूरी तरह मास ऑडियंस को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। अक्षय कुमार इस गाने में बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। अपने कूल डांस मूव्स के लिए पहचाने जाने वाले अक्षय इस बार देसी और रस्टिक अवतार में पूरी तरह छा गए हैं।

विक्रम मोंट्रोस द्वारा कंपोज किया गया घिस घिस घिसहाई एनर्जी, देसी स्वैग और फुल ऑन मस्ती से भरपूर एंटरटेनर है। विक्रम मोंट्रोस और सुप्रिया पाठक की दमदार आवाजों के साथ, अभिनव शेखर द्वारा लिखे गए बोल इस गाने में वेलकम फ्रेंचाइजी की वही रंगीन, शोरगुल वाली और एंटरटेनिंग दुनिया को ज़िंदा करते हैं, जिसे दर्शक बेहद पसंद करते हैं।

गाने को लेकर बात करते हुए कंपोजर और सिंगर विक्रम मोंट्रोस ने कहा, घिस घिस घिस को हम पूरी तरह बेफिक्र और खुलकर एंजॉय किए जाने वाला गाना बनाना चाहते थे। इसमें बॉलीवुड की एनर्जी, भोजपुरी फ्लेवर और वेलकम टू द जंगल का पागलपन – सबकुछ एक साथ है।

गाने का हुक आइडिया इश्तेयाक मुस्ताक का है, जबकि इसका म्यूज़िक प्रोडक्शन आकाश यादव और विक्रम मोंट्रोस ने किया है।

जंगली म्यूज़िक द्वारा प्रस्तुत घिस घिस घिस अब सभी प्रमुख ऑडियो प्लेटफॉर्म्स पर स्ट्रीम हो रहा है, जबकि इसका फुल म्यूज़िक वीडियो टाइम्स म्यूज़िक के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है।

फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता, फरीदा जलाल, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, आफताब शिवदासानी, मुकेश तिवारी, यशपाल शर्मा, किरण कुमार, जाकिर हुसैन, विंदू दारा सिंह, उर्वशी रौतेला, हेमंत पांडे, बृजेंद्र काला, फिरोज खान (अर्जुन), स्वर्गीय पंकज धीर, पुनीत इस्सर, सुदेश बेरी, जीतू वर्मा, वृहि कोडवारा, आदित्या सिंह और भाग्य भानुशाली जैसे कलाकार नजर आएंगे।

विश्व सुंदरी एश्वर्या राय ने कॉन्स के दूसरे लुक में भी ढाया कहर, फीकी पड़ी सारी हसीनाएं,बेटी आराध्या ने भी जीता दिल

कान फिल्म फेस्टिवल में ऐश्वर्या राय ने ब्लू गाउन पहनकर सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया। इस इवेंट में हर वर्ष ही उनका लुक देखने के लिए हर कोई उत्सुक रहता है। बहुत से सितारों ने इस इवेंट में शिरकत की लेकिन ऐश्वर्या राय बच्चन की बात ही कुछ अलग थी। पहले लुक के बाद अब उनका दूसरा लुक भी सामने आया है। अपने दूसरे लुक में ऐश्वर्या अपनी बेटी संग नजर आई हैं।

आपके दूसरे लुक में ऐश्वर्या राय ने लाइट पिंक कलर का गाउन पहना हुआ था और उनकी बेटी आराध्या ने रेड कलर का गाउन कैरी किया हुआ था। आपको बता दें कि ऐश्वर्या और आराध्या इस तरह से पहली बार किसी मंच को साझा कर रही हैं।

उनकी इस गाउन की सबसे खास बात थी गुलाबी रंग के ही केप। इससे उनकी खूबसूरती और भी ज्यादा निखर के आ रही थी। कान्स में आके उन्होंने यह साबित कर रही दिया कि क्यों उन्हें विश्व सुंदरी कहा जाता है।

ज्वेलरी की अगर बात की जाए तो उन्होंने सिर्फ ईयररिंग और डायमंड रिंग्स पहनी हैं। खुले बालों के साथ ऐश्वर्या का मेकअप भी काफी नेचुरल और अट्रैक्टिव था।

ऐश्वर्या का दूसरा लुक देखकर भी हर कोई उनके ऊपर फिदा हो गया। एक बार फिर उन्होंने साबित कर दिया कि वो ही हैं कान फिल्म फेस्टिवल की असली क्वीन।

इस मौके पर कई तस्वीरों में उनकी बेटी आराध्या भी उनके साथ नजर आईं। आराध्या ने रेड कलर का गाउन और मैचिंग केप पहनकर अपनी मां के साथ पोज दिए। दोनों का यह अंदाज लोगों के लिए खास रहा क्योंकि पहली बार वे इस तरह रेड कार्पेट पर एक साथ दिखाई दीं।

धर्मेंद्र को मरणोपरांत पद्म विभूषण सम्मान, पत्नी हेमा मालिनी ने किया रिसीव

बॉलीवुड के लेजेंडरी एक्टर धर्मेंद्र को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया है। बॉलीवुड के हीमैन कहे जाने वाले धर्मेंद्र का ये पुरस्कार उनकी पत्नी हेमा मालिनी ने रिसीव किया। हेमा अपनी बेटी अहाना के साथ राष्ट्रपति भवन पहुंची थीं। पुरस्कार लेते समय वे भावुक नजर आईं। वहीं, बेटी अहाना भी अपने आंसुओं को कंट्रोल नहीं कर पाईं। वो पिता की इस उपलब्धि के लिए तालियां बजाते हुए रोने लगीं।

अवॉर्ड समारोह से पहले हेमा मालिनी ने बताया कि उनकी बेटी ईशा भी राष्ट्रपति भवन आना चाहती थीं, लेकिन वो नहीं आ सकीं। परिवार के लिए ये इमोशनल मोमेंट है। हेमा ने बताया कि पूरा परिवार धर्मेंद्र को मिल रहे सम्मान से खुश है। हालांकि अवॉर्ड समारोह में धर्मेंद्र की पहली पत्नी का परिवार नहीं दिखा। सनी-बॉबी राष्ट्रपति भवन में नहीं दिखे। बता दें कि धर्मेंद्र ने दो शादियां की थीं। पहली पत्नी का नाम प्रकाश कौर और दूसरी पत्नी का नाम हेमा मालिनी है।

'पेद्दी' से राम चरण, जाह्नवी कपूर और श्रुति हासन का धमाकेदार डांस नंबर हेल्लाल्लालो हुआ रिलीज

साल की सबसे बड़ी पैन-इंडिया फिल्म #ढीर्प्रि का मोस्ट-अवेटीड ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, और राम चरण व जाह्नवी कपूर अपनी इस फ्रेश जोड़ी के साथ स्क्रीन पर जादू बिखेरने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

साल की सबसे बड़ी पैन-इंडिया फिल्म #पेड्डी का मोस्ट-अवेटीड ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, और राम चरण व जाह्नवी कपूर अपनी इस फ्रेश जोड़ी के साथ स्क्रीन पर जादू बिखेरने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कई सारे स्पोर्ट्स (खेलों) के इर्द-गिर्द बुनी गई इस कहानी में ग्रामीण मैदानों से लेकर इंटरनेशनल अखाड़ों तक का सफर दिखाया गया है, जो वाकई दर्शकों को शुरू से अंत तक बांधकर रखता है।

?एक तरफ जहाँ इसके ट्रेलर ने देश भर में तहलका मचा दिया है, वहीं मेकर्स ने अब फिल्म का एक और नया गाना 'हेल्लाल्लाल्लो' रिलीज कर दिया है। इस गाने में इतनी जबरदस्त और क्रेजी एनर्जी है कि यह पूरे देश को थिरकने पर मजबूर कर सकती है। अपने सोशल मीडिया पर #पेड्डी का नया गाना 'हेल्लाल्लाल्लो' रिलीज करते हुए मेकर्स ने एक बेहद कैची कैप्शन लिखाः

अब 'हेलो' को कहें अलविदा, अब से हर तरफ गूंजेगा सिर्फ 'हेल्लाल्लाल्लो' : भोपाल में 23 मई को फिल्म 'पेद्दी' के लिए अब तक के सबसे बड़े म्यूजिकल इवेंट का आयोजन किया गया। इस भव्य इवेंट में फिल्म की पूरी स्टार कास्ट शामिल हुई, जिसमें राम चरण, जाह्नवी कपूर, रवि किशन, शिवा राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू के साथ-साथ डायरेक्टर बुची बाबू सना और लेजेंड्री म्यूज़िक कंपोजर एआर. रहमान भी मौजूद रहे। गानों, पोस्टर्स, टीजर और ट्रेलर के बैक-टू-बैक जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, अब यह नया गाना फिल्म के एक और ब्लॉकबस्टर एसेट के रूप में सामने आया है, जिसने निश्चित रूप से फिल्म की रिलीज को लेकर फैंस के उत्साह को दोगुना कर दिया है। आपको बता दें कि राम चरण 'पेद्दी' में एक 'क्रॉसओवर एथलीट' की भूमिका निभाते नजर आएंगे। ठीक वैसे ही जैसे एम. एस. धोनी क्रिकेटर बनने से पहले एक फुटबॉलर थे, और सचिन तेंदुलकर क्रिकेट के भगवानबनने से पहले टेनिस में गहरी रुचि रखते थे; हमारे देश के कई बड़े स्पोर्ट्स आइकन्स के करियर का सफर भी ऐसा ही एक दिलचस्प क्रॉसओवर रहा है।

बाबू सना द्वारा लिखित और निर्देशित 'पेद्दी' में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ शिवा राजकुमार, जाह्नवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू जैसे शानदार कलाकार नजर आएंगे, जो इस फिल्म के स्केल और इम्पैक्ट को और भी ज्यादा बढ़ाते हैं। इस फिल्म का प्रोडक्शन वृद्धि सिनेमाज के बैनर तले वेंकट सतीश किलारु द्वारा किया जा रहा है, जिसमें माइथ्री मूवी मेकर्स, सुकुमार राइटिंग्स और आईवीवाई एंटरटेनमेंट का खास सहयोग शामिल है, जबकि ईशान सक्सेना इसके को-प्रोड्यूसर हैं। आईवीवाई एंटरटेनमेंट की शुरूआत साल 2020 में हुई थी, और आज इसने भारत के सबसे लोकप्रिय प्रोडक्शन हाउसेस और फिल्म राइट्स एक्वायरर्स (अधिकार हासिल करने वाले) में से एक के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

स्वयंभू से निखिल सिद्धार्थ का नया अवतार वायरल

दक्षिण भारतीय सिनेमा के चर्चित अभिनेता निखिल सिद्धार्थ की आगामी फिल्म स्वयंभू के सेट से सामने आए नए बिहाइंड द सीन (बीटीएस) ग्लिम्प्स ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। फिल्म स्वयंभू का टीजर रिलीज होने के बाद से ही यह निखिल सिद्धार्थ की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बन गई है। कार्तिकेय 2 की सफलता के बाद फैंस इस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। टीजर को इसकी भव्यता, बड़े स्केल और दमदार कहानी की झलक के लिए खूब पसंद किया गया था। अब फिल्म को लेकर बढ़ते उत्साह के बीच मेकर्स ने निखिल सिद्धार्थ की कुछ शानदार बीटीएस तस्वीरें शेयर की हैं। मेकर्स ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म की कुछ बेहतरीन वर्किंग बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें निखिल सिद्धार्थ पूरी मेहनत के साथ काम करते नजर आ रहे हैं।

तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि फिल्म के हर फ्रेम को बेहद बारीकी और ध्यान के साथ तैयार किया जा रहा है, जिससे दर्शकों को बड़े पर्दे पर एक शानदार अनुभव मिल सके। कैप्शन में लिखा गया एक शानदार बिग स्क्रीन एक्सपीरियंस देने की तलाश में प्तस्वयंभू के सेट्स से वर्किंग स्टिल्स, जहां हर फ्रेम को डिटेलिंग और केयर के साथ तैयार किया जा रहा है। परफेक्ट रिलीज डेट अनाउंसमेंट जल्द आने वाला है। समर 2026 में सिनेमाघरों में धमाका करेगी। स्वयंभू का टीजर भारत के गौरवशाली स्वर्णिम युग की पृष्ठभूमि पर आधारित एक भव्य कहानी की झलक दिखाता है। टीजर में विरासत, साहस और भारतीय संस्कृति की गहराई को शानदार तरीके से पेश किया गया है। कहानी के केंद्र में ह्यसेंगोलह्व का शक्तिशाली प्रतीक दिखाई देता है, जो सम्मान और विरासत से जुड़ी एक दमदार कहानी का संकेत देता है। निखिल सिद्धार्थ टीजर में बेहद दमदार और शानदार अवतार में नजर आए हैं, जबकि विजुअल्स, एक्शन और इटेंस ड्रामा ने दर्शकों का ध्यान खींच लिया। फिल्म में इंडस्ट्री के कई बड़े और शानदार टेक्नीशियंस व क्रिएटिव टैलेंट्स साथ आए हैं। इस फिल्म का निर्देशन भरत कृष्णमाचारी कर रहे हैं। वहीं संगीत रवि बसरूर ने दिया है, जो केजीएफ और सालार के लिए जाने जाते हैं। फिल्म की शानदार सिनेमैटोग्राफी केके सेंथिल कुमार ने संभाली है, जिन्होंने बाहुबली और आरआरआर जैसी फिल्मों में काम किया है। एडिटिंग की जिम्मेदारी तम्मिराजू ने निभाई है।करीब 170 दिनों तक चली शूटिंग के साथ यह फिल्म हाल के समय की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक मानी जा रही है। स्वयंभू को पिक्सल स्टूडियोज के भूवन और श्रीकर ने प्रोड्यूस किया है। भारत के गौरवशाली इतिहास और संस्कृति को समर्पित यह ग्रैंड फिल्म समर 2026 में दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

आईपीएल से बाहर होने के बाद भावुक हुए 27 करोड़ी कप्तान ऋषभ पंत

नई दिल्लीः इंडियन प्रीमियर लीग का 19वां सीजन विकेटकीपर बैटर ऋषभ पंत के लिए भूल जाने वाला रहा। ऋषभ पंत न तो बल्ले से चल पाए, न उनकी कप्तानी सही रही। लखनऊ सुपर जायंट्स की लगातार हार, खराब कप्तानी, फ्लॉप बल्लेबाजी और बढ़ते दबाव के बीच अब उनका एक भावुक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो ने फैन्स के बीच यह चर्चा और तेज कर दी है कि क्या पंत पर कप्तानी का दबाव अब साफ दिखाई देने लगा है। आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स 14 में सिर्फ 4 मुकाबले जीत सकी और प्वाइंट्स टेबल में सबसे नीचे रही। पिछले सीजन सातवें स्थान पर रहने के बाद इस बार टीम का आखिरी पायदान पर पहुंचना फ्रेंचाइजी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। पंत को लखनऊ सुपर जायंट्स ने 2025 के मेगा ऑक्शन के दौरान 27 करोड़ रुपए में खरीदा था। ऐसे में टीम को उनसे बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन वो उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। सीजन खत्म होने के बाद ऋषभ पंत ने फैन्स को संबोधित करते हुए कहा कि बहुत-बहुत धन्यवाद। यह सीजन हमारे लिए काफी मुश्किल रहा। हमने बहुत मेहनत की। हर परिस्थिति में टीम को सपोर्ट करने के लिए धन्यवाद। हम वापसी करेंगे।

आईपीएल2026 : आज फाइनल टिकट के लिए महामुकाबला, आरसीबी-गुजरात टाइटंस में होगी भिड़ंत

धर्मशालाः आईपीएल-26 के 19वें सीजन में हिमाचल के धर्मशाला में स्थित एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में फाइनल का पहाड़ चढ़ने को मंगलवार को आरसीबी व जीटी के बीच कांटे की टक्कर होगी। आईपीएल क्वालीफायर-एक का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु व गुजरात टाइटंस के बीच शाम सात बजे टॉस के बाद साढ़े सात बजे से शुरू होगा। मात्र 22 हजार क्षमता वाले विश्व के सबसे खूबसूरत मैदानों में शुमार धर्मशाला स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा होगा। इसमें शाम के समय धौलाधार की वादियों से ठंडी फिजाओं के बीच क्रिकेट को रोमांच चरम पर होगा। पूर्व चैंपियन आरसीबी के पास पांचवीं बार फाइनल में पहुंचने का मौका रहेगा। वहीं, आईपीएल में आरसीबी व जीटी आठ बार आमने-सामने हुई है, जिसमें अब तक दोनों टीमों ने चार-चार जीत दर्ज कर कांटे की टक्कर रही। अब धर्मशाला में एक टीम जीत दर्ज करके फाइनल में पहले पहुंचकर अपना स्थान पक्का करना चाहेगी।

हालांकि प्वाइंट टेबल में टॉप-दो में चल रही दोनों टीमों में से एक को हारने पर भी फाईनल में आने के लिए दूसरा मौका उपलब्ध रहेगा। आरसीबी ने आईपीएल में अब तक चार बार फाइनल में जगह बनाई है, लेकिन टीम सिर्फ एक बार ही खिताब को अपने नाम कर सकी है। पिछले सीजन रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु ने 18 साल का सूखा खत्म करते हुए पहली बार आईपीएल की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया था। आईपीएल 2026 में भी टीम ने अब तक शानदार क्रिकेट खेली है। आरसीबी की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही इस सीजन काफी संतुलित दिखाई दी है। दोनों टीमें धर्मशाला में जीत दर्ज करके फाइनल में पहुंचना चाहेंगी।

आठ मुकाबलों में दोनों टीमों की चार-चार जीतः आईपीएल इतिहास में रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल आठ मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें दोनों टीमें चार-चार जीत के साथ बराबरी पर है, लेकिन देखना दिलचस्प होगा कि इस मैच में कौन सी टीम बाजी मारकर आगे निकलती है। इस मुकाबले के लिए प्रशंसकों में काफी उत्साह देखा जा सकता है।

धर्मशाला में अब तक तीन मुकाबलेः धर्मशाला स्थित एचपीसीए स्टेडियम में आईपीएल के अब तक तीन मैच खेले जा चुके हैं। इसमें यहां पर पहली पारी का औसत स्कोर लगभग 211 रहा है, और इन तीन मैचों में से दो में लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने जीत हासिल की है, जबकि एक में पहले बल्लेबाजी करते हुए विजेता बनी है। ऐसे में यहां की पिच बल्लेबाजी के लिए आमतौर पर स्वर्ग मानी जाती है, जहां पर कप्तान टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला करना चाहेंगे।

आरसीबी की संभावित प्लेइंग इलेवन : वेंकटेश अय्यर/फिल साल्ट, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, सुयश शर्मा, रसिख सलाम डार व इम्पैक्ट प्लेयर टिम डेविड हो सकते हैं।

गुजरात जायंट्स इनके दम पर : साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, वाशिंगटन सुंदर, जेसन होल्डर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कैगिसो रबाडा, अरशद खान, सिराज व इम्पैक्ट प्लेयर प्रसिद्ध कृष्णा हो सकते हैं।

सैनेटरी नैपकिन-टॉयलेट की कमी के कारण न छूटे लड़कियों की पढ़ाई

केंद्र सरकार हर तीन महीने में रिपोर्ट दे, हम निगरानी करेंगे : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि स्कूलों में सैनेटरी नैपकिन और लड़कियों के लिए अलग टॉयलेट न होने के कारण उनकी पढ़ाई नहीं छूटनी चाहिए। कोर्ट ने केंद्र सरकार से 30 जनवरी के फैसले को पूरी तरह लागू कराने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले की प्रगति की निगरानी हर तीन महीने में करेगा। केंद्र को हर तीन महीने पर प्रोग्रेस रिपोर्ट दाखिल करनी होगी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अर्चना पाठक दवे से कहा कि इस फैसले का अच्छा उपयोग कीजिए। इसका लाभ ज्यादा से ज्यादा छात्राओं तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। इस पर केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि 30 जनवरी के फैसले के बाद सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस दिशा में प्रयास तेज हुए हैं। बैंच ने पूछा कि क्या सभी राज्यों से नियमित डाटा जुटाया जा रहा है।

केंद्र ने बताया कि पिछले लगभग दो से अढ़ाई महीने का डाटा एकत्र किया गया है। अदालत ने कहा कि केंद्र आगे भी राज्यों का मार्गदर्शन करे और तय करे कि इसका पालन हो। इसी बीच एक वकील ने अंतरिम आवेदन का जिक्र करते हुए कहा कि फैसले में इस्तेमाल किया गया ऑक्सो-बायोडिग्रेडेबल सैनेटरी नैपकिन शब्द पर्यावरण के लिए नुकसानदेह हो सकता है। अदालत ने वकील से यह मुद्दा केंद्र सरकार के वकील के सामने रखने को कहा। मामले की अगली सुनवाई पहली सितंबर को होगी।

राष्ट्रपति ने देश की 66 हस्तियों को पद्म पुरस्कारों से किया सम्मानित, जारी हुई लिस्ट

नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में 2026 के पहले पद्म अवॉर्ड्स दिए। दरअसल, सरकार ने गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले यानी 25 जनवरी को 131 पद्म पुरस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा की थी। इस क्रम में पहले फेज में देश की 66 हस्तियों को सम्मानित किया गया। जबकि शेष विजेताओं को दूसरे चरण में अवॉर्ड दिए जाएंगे।

राष्ट्रपति मुर्मु ने सोमवार के पहले फेज में 2 पद्म विभूषण, 6 पद्म भूषण और 58 पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किए। इस दौरान धर्मेंद्र सिंह देओल (मरणोपरांत) और डॉ. एन. राजम को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही पद्म भूषण अवॉर्ड पाने वाले में शतावधानी डॉ. आर. गणेश, भगत सिंह कोश्यारी, उदय सुरेश कुमार कोटक, प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (मरणोपरांत), डॉ. कल्लिपट्टी रामासामी पलानीस्वामी और पीयूष पांडेय (मरणोपरांत) शामिल हैं।

वहीं, विश्वबंधु (मरणोपरांत), भारत सिंह भारती, तगा राम भील, हरमनप्रीत कौर भुल्लर, रतीलाल मोहनलाल बोरिसागर, कुमार बोस, जनार्दन बापूराव बोथे, स्वामी ब्रह्मदेव, प्रोसेनजीत चटर्जी, देवकी अम्मा जी, डॉ. रामचंद्र गोडबोले, सुनीता गोडबोले, तेची गुबिन, डॉ. एचवी हंडे, गफरुद्दीन मेवाती जोगी, मीर हाजी कासम, रघुवीर खेडकर, आर. कृष्णन किटना (मरणोपरांत), प्रो डॉ. लार्स-क्रिश्चियन कोच, प्रो मामिडाला जगदीश कुमार, प्रवीण कुमार, के विजय कुमार, श्रीरंग देवबा लाड, अंकेगौड़ा एम, प्रोफेसर (डॉ.) सरोज मंडल, प्रो बुद्ध रश्मि मणि, निलेश विनोदचंद्र मांडलेवाला, डॉ. महेंद्र कुमार मिश्रा, तृप्ति मुखर्जी, हरिमाधव मुखोपाध्याय (मरणोपरांत), डॉ. एई. मुथुनायगम, सत्यनारायण नंदलाल नुवाल, के. पजानिवेल, धार्मिकलाल चुनिलाल पंड्या, कैलाश चंद्र पंत, गरिमेला बालकृष्ण प्रसाद (मरणोपरांत), प्रो. (डॉ.) राजेंद्र प्रसाद, डॉ गुडुरु वेंकट राव, दीपिका रेड्डी, डॉ पलकोंडा विजय आनंद रेड्डी, हरिचरण शइकीया, प्रो वेंपटी कुटुम्ब शास्त्री, प्रो शफी शौक, बलदेव सिंह, युमनाम जात्रा सिंह (मरणोपरांत), डॉ अशोक कुमार सिंह, शिवशंकरी, डॉ आर श्रीधर, प्रो. श्याम सुंदर, डॉ एसजी. सुशीलम्मा, एन स्वामिनादन, डॉ. केवल कृष्ण ठकराल, डॉ. गोपाल त्रिवेदी (मरणोपरांत), अरविंद वैद्य, प्रो जुजर वासी, डॉ नारायण व्यास, हैली वार और प्रो. गंभीर सिंह योन्जन के नाम भी सूची में शामिल हैं।

महंगाई की मार : पेट्रोल-डीजल के बाद अब सीएनजी के बढ़े दाम

नई दिल्ली : मध्य-पूर्व में जारी संकट के बीच, महंगाई थमने का नाम नहीं ले रही है। पेट्रोल-डीजल के बाद अब सीएनजी (कंप्रेस्ड नेचुरल गैस) के दाम भी बढ़ गए हैं। दिल्ली में मंगलवार से सीएनजी 2 रुपए प्रति किलो महंगी हो गई है। अब राजधानी में सीएनजी 81.09 रुपए की बजाय 83.09 रुपए प्रति किलो मिलेगी। पिछले 11 दिनों में सीएनजी के दाम में कुल 6 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। 15 मई को 2 रुपए, 18 मई को 1 रुपए, 23 मई को 1 रुपए और आज यानी 26 मई को 2 रुपए प्रति किलो सीएनजी के दाम बढ़ाए गए हैं।

इससे पहले सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। पेट्रोल की कीमत में 2.61 रुपए प्रति लीटर और डीजल में 2.71 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 10 दिनों में यह चौथी बार है, जब पेट्रोल-डीजल की कीमतों में इजाफा हुआ है। कीमतों में बढ़ोतरी से पहले दिल्ली में पेट्रोल 99.51 रुपए प्रति लीटर और डीजल 92.49 रुपए प्रति लीटर बिक रहा था। लेकिन अब राजधानी में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है।

ईंधन की कीमतों में इस बढ़ोतरी का असर केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है, बल्कि अन्य शहरों में भी देखा जा रहा है। पिछले कुछ दिनों में हुए लगातार संशोधनों के बाद नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी के दाम बढ़कर 88.70 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच चुके हैं। मुंबई में भी सीएनजी की कीमत बढ़कर 84 रुपए प्रति किलोग्राम हो चुकी है।

पेट्रोल-डीजल से लेकर सीएनजी तक, युद्ध की वजह से कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के लगभग बंद होने की वजह से भारत की आपूर्ति पर असर पड़ा है। कच्चे तेल की कीमतें भी सातवें आसमान पर हैं। क्रूड ऑयल का दाम 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है, जो युद्ध से पहले करीब 70 डॉलर प्रति बैरल था।

खाड़ी में हाहाकार के बीच भारत के लिए मसीहा बना वेनेजुएला, एक झटके में 50% बढ़ा दी कच्चे तेल की सप्लाई

नई दिल्ली : ईरान और अमेरिका के बीच लगातार बढ़ते तनाव और युद्ध के हालातों ने पूरी दुनिया की ऊर्जा सप्लाई को बुरी तरह से हिला कर रख दिया है। ईरान युद्ध के बाद कई देशों पर भयंकर तेल संकट मंडराने लगा है और भारत भी इससे अछूता नहीं है। एक तरफ खाड़ी देशों से तेल की सप्लाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है, तो वहीं दूसरी तरफ समंदर में भारतीय जहाजों पर भी खतरा बढ़ गया है। हालांकि, इस भारी संकट के बीच भारत के लिए एक बेहद राहत भरी खबर सामने आई है और एक नया देश भारत के लिए संकटमोचक बनकर उभरा है। होर्मुज स्ट्रेट पर महासंकट और भारत की बढ़ती मुश्किलें: भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर खाड़ी देशों पर निर्भर है। देश के लगभग आधे कच्चे तेल की सप्लाई रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते ही होती है। लेकिन ईरान के आसपास मचे युद्ध और समुद्री सुरक्षा संकट के कारण अब यह अहम जलमार्ग बेहद असुरक्षित हो चुका है। भारत ने सात साल के लंबे अंतराल के बाद अप्रैल में ईरान से तेल आयात दोबारा शुरू किया था, लेकिन अमेरिकी नौसैनिकों की कड़ी घेराबंदी के चलते इस महीने एक भी नया ईरानी कार्गो भारत के तटों तक नहीं पहुंच सका है ।

दलाईलामा उत्तराधिकारी मामले से दूर रहे भारत, चीन बोला-

यह हमारा आंतरिक मसला बाहरी दखल मंजूर नहीं

एजेंसी/ बीजिंग: चीन ने भारत को दलाईलामा के उत्तराधिकार के मुद्दे से दूर रहने की सलाह दी है। बीजिंग ने कहा कि दलाई लामा के पुनर्जन्म और उत्तराधिकारी तय करने की प्रक्रिया पूरी तरह चीन का आंतरिक मामला है और इसमें किसी बाहरी हस्तक्षेप की अनुमति नहीं दी जाएगी। भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने बयान जारी कर कहा कि दलाई लामा का पुनर्जन्म सदियों पुराने धार्मिक रीति-रिवाजों और ऐतिहासिक परंपराओं के तहत होता है। इस प्रक्रिया के लिए चीन की केंद्रीय सरकार की मंजूरी जरूरी होती है और 14वें दलाई लामा को भी इसी प्रक्रिया के तहत मान्यता दी गई थी। चीनी दूतावास ने भारत को तिब्बत पर अपने पुराने रुख की याद भी दिलाई। बयान में कहा गया कि भारत को तिब्बती स्वतंत्रता से जुड़ी गतिविधियों के लिए मंच उपलब्ध नहीं कराना चाहिए। यह क्षेत्रीय स्थिरता और भारत-चीन संबंधों के लिए जरूरी है।

यह पहला मौका नहीं है, जब चीन ने दलाई लामा मुद्दे पर भारत को चेतावनी दी हो। पिछले साल भी बीजिंग ने कहा था कि दलाई लामा का उत्तराधिकार भारत-चीन संबंधों में कांटे की तरह है। दलाई लामा पहले भी कह चुके हैं कि उनके उत्तराधिकारी तय करने में चीन की कोई भूमिका नहीं होगी। तिब्बती मान्यता के मुताबिक, किसी वरिष्ठ बौद्ध भिक्षु की मृत्यु के बाद उसकी आत्मा पुनर्जन्म लेती है। हालांकि चीन कहता है कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी की प्रक्रिया को चीनी सरकार की मंजूरी जरूरी है। दलाई लामा 1959 से भारत में निर्वासन में रह रहे हैं। तिब्बत में चीनी शासन के खिलाफ असफल विद्रोह के बाद वह भारत आए थे। भारत में करीब 70 हजार तिब्बती शरणार्थी और निर्वासित तिब्बती सरकार भी मौजूद है।

डील नहीं हुई, तो छिड़ेगा महायुद्ध ईरान पर ट्रंप का बड़ा बयान

अरब देशों से अब्राहम समझौतों पर हस्ताक्षर की अपील

नई दिल्ली: ईरान के साथ जारी बातचीत को लेकर अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के साथ बातचीत बहुत अच्छे से आगे बढ़ रही है। उनका मानना है कि ये या तो सभी के लिए बहुत बड़ी डील साबित होगी या फिर दुनिया एक बार फिर युद्ध के मैदान में लौट जाएगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यह या तो सभी के लिए बेहद बड़ी डील साबित होगी, या फिर कोई समझौता नहीं होगा। ऐसी स्थिति में दुनिया फिर युद्ध के मैदान में लौट जाएगी। पहले से कहीं बड़े पैमाने पर गोलीबारी शुरू हो सकती है, जिसे कोई भी नहीं चाहता। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ समझौते की लगातार कोशिश हो रही है।

इसी सिलसिले में राष्ट्रपति ट्रंप ने शनिवार को कई मुस्लिम देशों के शीर्ष नेताओं से बातचीत की है। उन्होंने दावा किया कि ईरान के साथ संभावित समझौते और मध्य पूर्व में स्थिरता को लेकर कई देशों के साथ लगातार संपर्क बना हुआ है। इसमें सऊदी अरब, पाकिस्तान, तुर्की, बहरीन और यूएई के कई नेता शामिल थे। ट्रंप ने इन सभी नेताओं से खास आग्रह किया है। ट्रंप ने कहा कि वे अब्राहम समझौतों पर हस्ताक्षर करें। अमरीका द्वारा इस जटिल स्थिति को सुलझाने के लिए किए गए तमाम प्रयासों के बाद यह जरूरी है कि सभी देश एक साथ इस समझौते का हिस्सा बनें।

इजरायल से दोस्ती करें मुस्लिम देशः ट्रंप ने मुस्लिम देशों से इजराइल के साथ रिश्ते बेहतर करने को कहा है। उन्होंने शनिवार को सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्किये, मिस्त्र और जॉर्डन के नेताओं के साथ वर्चुअल मीटिंग की। ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा कि अमेरिका ने ईरान संकट को सुलझाने के लिए बहुत मेहनत की है। अब जरूरी है कि ये सभी देश अब्राहम अकॉर्ड्स (समझौते) में शामिल हों। यानी इजराइल के साथ रिश्ते बेहतर करें।

गुलमर्ग रोपवे पर फंसे पर्यटकों का रेस्क्यू पूरा, छह घंटे चला ऑपरेशन

65 कैबिन के अंदर थे 300 से ज्यादा लोग

एजेंसी/ श्रीनगरः जम्मू-कश्मीर स्थित दुनिया के तीसरे सबसे ऊंचे रोप-वे, गुलमर्ग गोंडोला में तकनीकी खराबी के बाद बीच हवा में फंसे 300 से ज्यादा पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया गया। रोप-वे के 65 कैबिनों में सवार पर्यटक सोमवार दोपहर करीब 2.30 बजे से बीच हवा में फंसे थे। कुछ कैबिन जमीन से करीब 500 फीट की ऊंचाई पर फंसे हुए थे। भारी बारिश के बीच एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सेना और पुलिस ने ज्वाइंट ऑपरेशन चलाया। शाम 8.20 बजे रेस्क्यू खत्म हुआ। ये घटना तब हुई, जब नॉर्थ कश्मीर के ऊंचे पहाड़ी मैदानों और स्की ढलानों तक पर्यटकों को ले जाने वाली फेमस केबल कार सेवा अचानक रुक गई, जिससे यात्री ऊबड़-खाबड़ इलाके के ऊपर लटकी केबल कैबिनों में फंस गए।

चश्मदीदों ने बताया कि रोपवे में फंसे पर्यटकों में दहशत का माहौल था, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी इस पूरे मामले पर नजर बनाए हुए थे। इससे पहले गुलमर्ग गोंडोला में 25 जून, 2017 को हादसा हुआ था। तेज आंधी के दौरान एक पेड़ गोंडोला की केबल लाइन पर गिर गया। इससे एक केबिन जोर से झूलने लगा और उसके शीशे टूट गए। कैबिन में सवार लोग करीब 100 फीट नीचे गिर गए, जिससे सात लोगों की मौत हो गई थी।

गुलमर्ग गोंडोला में 24 घंटे में दूसरी बार तकनीकी खराबीः सूत्रों के मुताबिक, गुलमर्ग गोंडोला में रविवार को भी तकनीकी गड़बड़ी आई थी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नाम पर पाकिस्तान ने रची घिनौनी साजिश,पीआईबीने किया भंडाफोड़

नई दिल्ली : सोशल मीडिया पर एक बार फिर भारत विरोधी दुष्प्रचार फैलाने की कोशिश की गई है। पाकिस्तान से जुड़े एक प्रोपेगेंडा सोशल मीडिया हैंडल ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को लेकर यह झूठ परोसा है।

पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा द्वारा यह वायरल किया जा रहा है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को भारत का समर्थन देने से संबंधित एक बयान दिया है। हालांकि जांच में यह पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा पूरी तरह झूठा व निराधार साबित हुआ है।

सरकार की फैक्ट चेक एजेंसी पीआईबी फैक्ट चेक ने इस दावे को पूरी तरह फर्जी और मनगढ़ंत बताया है। एजेंसी ने सोमवार को इस संबंध में जानकारी देते हुए स्पष्ट किया कि रक्षा मंत्री ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है और सोशल मीडिया पर फैलाया जा रहा दावा पूरी तरह भ्रामक है।

पीआईबी फैक्ट चेक ने लोगों को सावधान रहने की सलाह देते हुए कहा कि भारत सरकार के खिलाफ झूठे नैरेटिव फैलाने वाले अकाउंट्स से सतर्क रहें। एजेंसी ने यह भी अपील की कि किसी भी संदिग्ध या भ्रामक पोस्ट को बिना सत्यापन शेयर न करें। फर्जी खबरों और दुष्प्रचार के खिलाफ सरकार लगातार निगरानी कर रही है।

हाल के समय में रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कई मामलों में सोशल मीडिया पर गलत सूचनाएं फैलाने के प्रयास सामने आए हैं, जिन्हें समय-समय पर खारिज किया गया है। केंद्र सरकार से जुड़ी किसी भी संदिग्ध सामग्री की शिकायत सीधे पीआईबी फैक्ट चेक को भेजी जा सकती है। इसके लिए व्हाट्सऐप नंबर 8799711259 और ईमेल आईडी जारी किया गया है।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही पाकिस्तान से जुड़े कई सोशल मीडिया अकाउंट्स यह दुष्प्रचार कर रहे थे कि, भारतीय नौसेना ने कहा है कि पाकिस्तान ने भारतीय विमानों और वायुसेना ठिकानों को निशाना बनाया था। पाकिस्तानी सोशल मीडिया हैंडल्स द्वारा भारतीय नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी वाइस एडमिरल एएन प्रमोद का एक एडिटिड वीडियो साझा किया गया।

वीडियो में यह झूठा दावा किया गया है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने भारतीय विमानों और वायुसेना ठिकानों को निशाना बनाया था। इस दुष्प्रचार पर भी फैक्ट चेक यूनिट ने स्पष्ट किया था कि पाकिस्तानी सोशल मीडिया द्वारा जारी किया जा रहा यह वीडियो पूरी तरह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक से तैयार किया गया है। जांच में इसे एक डीपफेक वीडियो पाया गया। इस झूठ का उद्देश्य जनता को गुमराह करना तथा गलत सूचना फैलाना था। फैक्ट चेक यूनिट के अनुसार, वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया था। वायरल वीडियो में उनके चेहरे और आवाज के साथ छेड़छाड़ कर जाली वीडियो तैयार किया गया। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे किसी भी भ्रामक वीडियो पर भरोसा न करें और बिना सत्यापन के उन्हें आगे साझा न करें।

पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा द्वारा यह वायरल किया जा रहा है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को भारत का समर्थन देने से संबंधित एक बयान दिया है। हालांकि जांच में यह पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा पूरी तरह झूठा व निराधार साबित हुआ है।

ड्यूटी पर लौट रहे स्पेशल ब्रांच के अरकक्की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत, पुलिस विभाग में शोक

पटना: बिहार के आरा में सोमवार को एक दुखद सड़क दुर्घटना में राजीव रंजन, जिन्हें 'गोल्डी' के नाम से भी जाना जाता था, की जान चली गई। यह घटना बिहार के आरा स्थित टाउन पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले बाईपास रोड पर हुई, जहां कथित तौर पर एक तेज रफ़्तार निजी स्कूल बस ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।

स्कूल बस का ड्राइवर मौके से फरार : 42 वर्षीय राजीव रंजन बिहार पुलिस की स्पेशल ब्रांच में असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत थे और वर्तमान में पटना में तैनात थे। इस टक्कर में उन्हें गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े और उन्हें सदर अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन रास्ते में ही चोटों के कारण उनकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटना के तुरंत बाद स्कूल बस का ड्राइवर मौके से फरार हो गया। बाद में ड्राइवर ने बस को एक निजी बस स्टैंड के पास खड़ा किया और फिर वहां से भाग निकला।

परिवार और पुलिस विभाग में शोक : पुलिस ने तब से बस को जब्त कर लिया है और फरार ड्राइवर का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। राजीव रंजन अयार पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले बालिगांव गांव के वार्ड नंबर 9 के निवासी थे। वे राम लायक सिंह के बेटे थे। उनकी अचानक हुई मौत से उनका परिवार और पुलिस विभाग, दोनों ही गहरे सदमे में हैं।

एएसआई की मौत के बाद स्थानीय लोगों में गुस्सा : परिवार के सदस्य अनिल कुमार सिंह ने बताया कि राजीव के दादाजी का निधन 19 मई को हुआ था, और सोमवार को गांव में 'सतलेहन' (श्राद्ध) की रस्म अदा की जा रही थी। रस्म में शामिल होने के बाद, राजीव रंजन अपनी सरकारी ड्यूटी पर लौटने के लिए मोटरसाइकिल से पटना जा रहे थे, तभी यह जानलेवा दुर्घटना हो गई। इस घटना से स्थानीय निवासियों में शोक और गुस्सा फैल गया है; उनमें से कई लोगों ने बस ड्राइवर की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है।

टाउन पुलिस स्टेशन के पुलिस अधिकारियों ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। अधिकारी दुर्घटना स्थल का मुआयना कर रहे हैं और टक्कर के सटीक कारण का पता लगाने के लिए सबूत जुटा रहे हैं, जबकि जिम्मेदार ड्राइवर की पहचान करने और उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

उपायुक्त के नाम से फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाकर मांगे जा रहे पैसे

डीसी ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की

मेदिनीनगर : पलामू उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत के नाम से फर्जी इंस्टाग्राम प्रोफाइल बनाकर लोगों से पैसे मांगने का मामला सामने आया है। अज्ञात साइबर अपराधियों द्वारा बनाए गए इस फर्जी अकाउंट के माध्यम से अधिकारियों एवं आम नागरिकों को इंस्टाग्राम पर संदेश भेजकर आर्थिक मदद की मांग की जा रही है।

मामले की जानकारी मिलने के बाद जिला प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उपायुक्त के नाम से बनाया गया उक्त इंस्टाग्राम अकाउंट पूरी तरह फर्जी है और इसका जिला प्रशासन से कोई संबंध नहीं है।

जिला प्रशासन ने नागरिकों एवं सरकारी पदाधिकारियों से अपील करते हुए कहा है कि किसी भी संदिग्ध व्हाट्सएप, फेसबुक या इंस्टाग्राम संदेश पर विश्वास न करें और न ही किसी प्रकार की व्यक्तिगत अथवा बैंक संबंधी जानकारी साझा करें।

प्रशासन ने यह भी कहा कि किसी भी संदेश की सत्यता की पुष्टि संबंधित कार्यालय से अवश्य कर लें। साथ ही ऐसे फर्जी अकाउंट या संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत साइबर थाना या जिला प्रशासन को दें।

रनिया में तेज आंधी-तूफान से भारी तबाही, कई घर क्षतिग्रस्त, सड़क पर गिरे पेड़

खूंटी : जिले के रनिया प्रखंड क्षेत्र में सोमवार को आये तेज आंधी-तूफान और बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। प्रखंड के तांबा पंचायत अंतर्गत बेल्सियागढ़, ब्लॉक चौक, हरासुकू रनिया समेत दर्जनों गांवों में तेज हवा के कारण भारी नुकसान की खबर है। कई घरों के एस्बेस्टेट छत उड़ गये तथा दीवारें क्षतिग्रस्त हो गयीं। वहीं दर्जनों पेड़ उखड़कर सड़क और घरों पर गिर पड़े, जिससे लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

ब्लॉक चौक स्थित स्टैंड में खड़े उत्तम सिंह के ऑटो पर अचानक पेड़ गिर जाने से टेंपो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि घटना के समय वाहन में कोई सवार नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। इधर तांबा-उशराम मुख्य पथ पर कई स्थानों पर पेड़ गिर जाने से आवागमन प्रभावित रहा। राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि तेज आंधी और बारिश के कारण हजारों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। कई परिवारों के घरों की छत उड़ जाने से रात गुजारने की चिंता बढ़ गयी है।

घटना के बाद ग्रामीण स्वयं सड़क से पेड़ हटाने में जुट गये ताकि आवागमन बहाल किया जा सके। वहीं प्रशासन भी स्थिति पर नजर बनाये हुए है।

प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रशांत डांग ने प्रभावित लोगों से अपील करते हुए कहा कि आंधी-तूफान से जिन लोगों का नुकसान हुआ है, वे प्रखंड मुख्यालय में आवेदन जमा करें। प्राकृतिक आपदा मद के तहत जांच के बाद प्रभावित परिवारों को क्षतिपूर्ति उपलब्ध करायी जायेगी।

खूंटी को मिला नया डीडीसी, प्रवीण कुमार प्रकाश ने संभाला पदभार

खूंटीः जिले के 25वें उप विकास आयुक्त (डीडीसी) के रूप में श्प्रवीण कुमार प्रकाश (झाप्रासे) ने मंगलवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में विधिवत रूप से पदभार ग्रहण किया। उन्होंने निवर्तमान उप विकास आयुक्त आलोक शिकारी कच्छप से कार्यभार प्राप्त किया। पदभार ग्रहण करने के बाद प्रवीण कुमार प्रकाश ने जिला प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मियों से मुलाकात कर विभिन्न विभागों के कार्यों की प्राथमिक जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सरकार की विकासात्मक योजनाओं का लाभ जिले के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि खूंटी जिले के सर्वांगीण विकास के लिए सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर तेजी और पारदर्शिता के साथ कार्य किया जाएगा। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग कर विकास कार्यों को और गति दी जाएगी। पदभार ग्रहण समारोह के दौरान जिला प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। नए डीडीसी के पदभार संभालने से जिले में विकास कार्यों को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

झाड़ियों से सिकुड़ रही टाटा-पटमदा सड़क

पटमदा : टाटा-पटमदा मुख्य मार्ग पर सड़क किनारे तेजी से फैल रही झाड़ियों ने राहगीरों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। झाड़ियों के कारण सड़क कई स्थानों पर संकरी हो गई है, जिससे लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं और लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क किनारे सफाई नहीं कराई गई तो आने वाले बरसात के दिनों में हालात और भयावह हो सकते हैं। बोड़ाम के कुटिमाकली निवासी युवा समाजसेवी उमेश महतो ने पथ निर्माण विभाग एवं स्थानीय प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि टाटा-पटमदा मुख्य मार्ग पर हाल के दिनों में सड़क हादसों में लगातार वृद्धि हुई है।

उन्होंने बताया कि पटमदा, कमलपुर और बोड़ाम थाना क्षेत्र के अंतर्गत इस सड़क पर कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। खासकर तीखे मोड़ों पर झाड़ियों की वजह से सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका और बढ़ जाती है।

उन्होंने बताया कि कई बार भारी वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली पोल से टकरा चुके हैं, जबकि कुछ वाहन घरों में भी घुस गए हैं। इससे आसपास के ग्रामीणों और राहगीरों के बीच हमेशा भय बना रहता है। उमेश महतो ने बताया कि इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों मजदूर, छात्र और युवा बाइक के जरिए जमशेदपुर आवागमन करते हैं, लेकिन सड़क किनारे फैली झाड़ियों के कारण उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ गई है।

उपायुक्त ने स्वयं सेवक बनकर बच्चों एवं राहगीरों को परोसा ठंडा पानी

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : जिले के दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने मंगलवार को जनसेवा की अनूठी मिसाल पेश करते हुए स्वयंसेवक की भूमिका निभाते हुए बच्चों एवं राहगीरों को पानी परोसा,अवसर था मेदिनीनगर के छः मुहाँन पर प्याऊ के उद्घाटन का।इस दौरान उन्होंने अपने हाथों से लोगों को पेयजल उपलब्ध कराया और जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया।इस अवसर पर उपायुक्त श्री शेखवात ने स्वच्छता का भी विशेष संदेश दिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि पानी पीने के बाद उपयोग किए गए ग्लास को खुले में इधर-उधर न फेंकें, बल्कि निर्धारित स्थान पर ही रखें, ताकि स्वच्छता बनी रहे और पर्यावरण सुरक्षित रहे।उपायुक्त ने कहा कि समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को जनसेवा की भावना से स्वयंसेवक बनकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने लोगों को प्रेरित करते हुए कहा कि ‍मानव सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है‍ और ऐसे कार्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने सभी नागरिकों से इस प्रकार के जनहितकारी कार्यों में भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की, ताकि समाज में सहयोग, सेवा और स्वच्छता की भावना को और अधिक मजबूत किया जा सके।

नप क्षेत्र में उपलब्ध कराया जा रहा शीतल पेयजल

संवाददाता

चतराः भीषण गर्मी एवं बढ़ते तापमान को देखते हुए जिला प्रशासन चतरा द्वारा आमजनों एवं राहगीरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से नगर परिषद क्षेत्र में चलित प्याऊ व्यवस्था प्रारंभ की गई है। इसके तहत ई-रिक्शा के माध्यम से शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों, चौक-चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों पर घूम-घूम कर लोगों को निःशुल्क शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।जिला प्रशासन द्वारा पूर्व में विभिन्न सरकारी कार्यालयों, प्रखंड कार्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर स्थायी प्याऊ की व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी। अब चलित प्याऊ व्यवस्था के माध्यम से राहगीरों, रिक्शा चालकों, मजदूरों एवं बाजार क्षेत्र में आने-जाने वाले लोगों तक भी शीतल पेयजल पहुंचाया जा रहा है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी के बीच राहत मिल रही है। ई-रिक्शा पर प्याऊ शीतल जल, जन सेवा संदेश के साथ पेयजल की व्यवस्था की गई है।

अफीम तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

1.10 करोड़ का अफीम व अफीम डोडा बरामद

चतराः चतरा पुलिस ने अफीम तस्करों के खिलाफ दो अलग अलग थाना क्षेत्रों में बड़ी कार्रवाई करते हुए 1 करोड़ 10 लाख रु मूल्य का मादक पदार्थ अफीम एवं अफीम डोडा बरामद किया है। इसके साथ ही तीन तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। जिला मुख्यालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में चतरा एसपी अनिमेष नैथानी ने बताया कि मिली गुप्त सूचना के आधार पर सिमरिया के एसडीपीओ शुभम भाऊसाहब के नेतृत्व में हुई कार्रवाई में सिमरिया थाना क्षेत्र के बगरा चतरा सड़क पर ग्राम बजराही के पास तस्करों की टीवीएस लूना मोटरसाइकिल की डिक्की से 7.196 किग्रा अफीम एवं घर से भी एक केन में रखा अफीम और तीन प्लास्टिक के बोरा में 78.4 किलोग्राम डोडा बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि इस मामले में सिमरिया थाना क्षेत्र के लुतीडीह गांव के टोला धोंधीबार के जीवलाल गंझू (36 वर्ष) पिता स्व लालधन गंझू एवं इचाक कला गांव के मो फैजान मलिक(26 वर्ष) पिता ईस्लाम मलिक को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि दो अन्य तस्कर भागने में सफल रहे। फरार तस्करों में इचाक कला के हैदर खान उर्फ दिवान पिता मो हदिस एवं दिलावर खान पिता मुतुर्जा खान की पहचान की गई है। उन्होंने बताया कि बरामद अफीम का अनुमानित मूल्य 54 लाख रु है। इस संदर्भ में सिमरिया थाना काण्ड सं0-96/26। दिनांक 24.05.2026, धारा- 8/15 (सी)/18 (सी)/25/27 (ए) एनडीपीएस एक्ट दर्ज किया गया है। एसपी श्री नैथानी ने बताया कि एक अन्य मामले में चतरा पुलिस ने लावालौंग थाना क्षेत्र के इचाहर गांव के वन क्षेत्र से -361.52 किलोग्राम अफीम डोडा,23.820 किलोग्राम अफीम डोडा एवं पोस्ता दाना का मिश्रण एवं 25.290 किलोग्राम पोस्ता दाना बरामद किया है।

जल संरक्षण केवल पर्यावरण नहीं, शिक्षा और स्वास्थ्य का भी प्रश्न : हृदयानंद मिश्र

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : झारखंड प्रदेश कांग्रेस के समन्वय समिति के सदस्य हृदयानंद मिश्र, एडवोकेट ने पलामू प्रमंडल की आयुक्त कुमुद सहाय को ज्ञापन सौंपकर पलामू प्रमंडल में जल संरक्षण एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग को प्रभावी रूप से लागू कराने की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि पलामू प्रमंडल के विभिन्न जिलों में लगातार गिरते भूजल स्तर के कारण ग्रीष्मकाल में पेयजल संकट गंभीर होता जा रहा है। इसका प्रतिकूल प्रभाव केवल आम जनजीवन पर ही नहीं, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी पड़ रहा है। कई विद्यालयों में पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं रहने से छात्र-छात्राओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, वहीं जल संकट के कारण स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ती जा रही हैं।

हृदयानंद मिश्र ने कहा कि जल संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। यदि अभी ठोस पहल नहीं की गई तो आने वाले समय में स्थिति और भयावह हो सकती है। उन्होंने मांग की कि सभी नगर निगम, नगर परिषद, नगर पंचायत एवं प्रखंड स्तर पर वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) को अनिवार्य रूप से लागू कराया जाए तथा सरकारी भवनों, विद्यालयों, अस्पतालों एवं सार्वजनिक संस्थानों में इसकी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने पुराने तालाबों, कुओं एवं पारंपरिक जलस्रोतों के पुनर्जीवन, जल संरक्षण पर जनजागरूकता अभियान चलाने तथा नए भवन निर्माण में वाटर कंजर्वेशन मानकों को सख्ती से लागू करने की भी मांग की।

हृदयानंद मिश्र ने बताया कि पलामू प्रमंडल की आयुक्त कुमुद सहाय ने ज्ञापन पर सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया और कहा कि जल संरक्षण की दिशा में प्रशासन गंभीरतापूर्वक आवश्यक कदम उठाएगी।

उपायुक्त ने कान्हाचट्टी प्रखंड सह अंचल कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

विकास योजनाओं व कार्यालय व्यवस्था की ली जानकारी

संवाददाता

चतरा : उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी रवि आनंद ने कान्हाचट्टी प्रखंड सह अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय में पदाधिकारियों एवं कर्मियों की उपस्थिति की जांच की तथा कार्यालय की कार्यप्रणाली, साफ-सफाई एवं विभिन्न शाखाओं में संचालित कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने कार्यालय परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था, अभिलेखों के संधारण, संचिकाओं के रख-रखाव एवं लंबित मामलों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी को सभी अभिलेखों का नियमित संधारण सुनिश्चित करने तथा कार्यालय व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने मनरेगा अंतर्गत संचालित बिरसा हरित ग्राम योजना, बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन योजना, दीदी बाड़ी योजना, पशु शेड निर्माण, डोभा निर्माण, मेढ़बंदी, तालाब जीर्णोद्धार एवं अन्य संचालित विकास योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष बल दिया। उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देशित किया कि योजनाओं का समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए अधिक से अधिक ग्रामीणों को योजनाओं से आच्छादित किया जाए। उपायुक्त ने मनरेगा एवं अन्य योजनाओं से जुड़े आपूर्तिकर्ताओं के लंबित भुगतान की भी समीक्षा की। उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया कि लंबित भुगतानों का नियमानुसार शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि योजनाओं के संचालन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। उन्होंने उपस्थित कर्मियों एवं पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी कर्मी समय पर कार्यालय में उपस्थित होकर अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी एवं जिम्मेदारी के साथ करें।

उन्होंने कहा कि दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्रों से आमजन अपनी समस्याओं एवं अपेक्षाओं के साथ प्रखंड एवं अंचल कार्यालय पहुंचते हैं, इसलिए उनकी समस्याओं का त्वरित एवं संवेदनशीलता के साथ निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। भीषण गर्मी एवं बढ़ते तापमान को देखते हुए उपायुक्त ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को कार्यालय परिसर में पेयजल, साफ-सफाई एवं आमजनों के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं अंचल अधिकारी को राजस्व एवं जनहित से जुड़े मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आमजन को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए तथा कार्यालयों में जनसुविधा से संबंधित व्यवस्थाएं नियमित रूप से संचालित रहें। निरीक्षण के दौरान अंचल अधिकारी कान्हाचट्टी मनोज गोप,संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

आवास बेदखली के विरोध में सिंदरी में आक्रोश मार्च

धनबाद : मनोहरटांड और एसएल टू स्थित सैकड़ों आवासों को खाली कराने के एफसीआई प्रबंधन के आदेश के विरोध में सोमवार को स्थानीय निवासियों का गुस्सा फूट पड़ा। झारखंड बचाओ संग्राम समिति के बैनर तले सैकड़ों महिलाओं और पुरुषों ने मनोहरटांड मैदान से एक विशाल आक्रोश मार्च निकाला। इस मार्च का नेतृत्व समिति के अध्यक्ष कौशल सिंह कर रहे थे।

जुलूस में शामिल लोग एफसीआई प्रबंधन होश में आओ, किसी कीमत पर आवास खाली नहीं करेंगे और लंबे समय के लिए लीज पर आवास आवंटित करो जैसे नारे लगा रहे थे। यह आक्रोश मार्च रोहड़ाबांध पकौड़ी मोड़ होते हुए रोहड़ाबांध अंबेडकर चौक पर पहुंचकर संपन्न हुआ। सभा को संबोधित करते हुए कौशल सिंह ने कहा कि एफसीआई प्रबंधन साल 2003 से ही सिंदरी को खाली कराने का प्रयास कर रहा है, जिससे स्थानीय लोग लगातार भय के साये में जी रहे हैं।उन्होंने आरोप लगाया कि प्रबंधन पहले डोमगढ़ को सेल को देने की प्रक्रिया शुरू कर चुका है और अब मनोहरटांड तथा एसएल टू को खाली कराने की फिराक में है। उन्होंने संकल्प जताया कि जिस तरह डोमगढ़ कॉलोनी की बेदखली का फरमान रुका था, उसी तरह इन दोनों कॉलोनियों को खाली कराने की साजिश भी विफल की जाएगी। इसके लिए एकजुटता बनाए रखना जरूरी है। इस आक्रोश मार्च में मुख्य रूप से बमबोली सिंह, रास बिहारी यादव, अमित सिंह, नीतीश सिन्हा, सुनखल सिंह, एसडी महतो, राहुल कुमार, सुनीता उपाध्याय, रूपा पालित और कल्पना देवी सहित भारी संख्या में महिलाएं व स्थानीय लोग शामिल थे।

सबसे दूर सबसे पहले अभियान का समापन, 5 हजार आवेदनों का हुआ निष्पादन

संवाददाता

खूंटी : जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के निदेर्शानुसार समेकित जनजाति विकास अभियान (आईटीडीए) के अंतर्गत संचालित जनजातीय गरिमा उत्सव 2026 के तहत विशेष सप्ताह अभियान सबसे दूर सबसे पहले का सोमवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया। अभियान की उपलब्धियों और उद्देश्यों की जानकारी साझा करने के लिए समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए परियोजना निदेशक आईटीडीए आलोक शिकारी कच्छप ने अभियान की सफलताओं की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह विशेष अभियान 19 मई से 25 मई तक जिलेभर में युद्ध स्तर पर चलाया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य सुदूर ग्रामीण और जनजातीय बहुल क्षेत्रों में रहने वाले अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों तक केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना था। इसके लिए जिले के दूरस्थ गांवों में व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ विशेष सैचुरेशन कैंप आयोजित किए गए, जहां ग्रामीणों को सीधे योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया गया।

परियोजना निदेशक ने बताया कि अभियान की शुरूआत 18 मई को जिला स्तरीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम से हुई थी। इसके बाद जिले के सभी 403 गांवों एवं आदि सेवा केंद्रों वाले क्षेत्रों में विशेष कैंप लगाए गए। इन शिविरों को सफल बनाने में जनप्रतिनिधियों, जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों और कर्मियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

अभियान के दौरान अब तक 5 हजार से अधिक आवेदनों का ऑन-द-स्पॉट निष्पादन किया गया, जबकि शेष आवेदनों के निष्पादन की प्रक्रिया जारी है। शिविरों में स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष जोर दिया गया, जहां ग्रामीणों के लिए वीएचएसएनडी चेकअप, सिकल सेल, एनीमिया एवं टीबी जांच हेतु मेडिकल कैंप लगाए गए। इसके अलावा आधार कार्ड, राशन कार्ड, जाति, आय एवं निवास प्रमाण पत्र से संबंधित हजारों आवेदन प्राप्त किए गए और उन पर त्वरित कार्रवाई की गई। ग्रामीणों को एक ही स्थान पर केंद्र एवं राज्य सरकार की कई महत्वपूर्ण योजनाओं से जोड़ा गया।

केंद्रीय योजनाओं में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, जन धन खाता, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, मुद्रा लोन योजना और उज्ज्वला गैस कनेक्शन शामिल रहे। वहीं राज्य सरकार की योजनाओं में मुख्यमंत्री मईंयां सम्मान योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री चिकित्सा अनुदान योजना, सर्वजन पेंशन योजना, अबुआ आवास योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ लोगों को दिया गया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान परियोजना निदेशक आलोक शिकारी कच्छप ने कहा कि जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि सुदूरवर्ती गांवों में रहने वाला कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों तक समय पर और उनके घर के समीप सहायता पहुंचाना ही इस अभियान की सबसे बड़ी सफलता है।

इस अवसर पर जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद राम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित थे।